डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

खेलःट्रैविस हेड के शानदार शतक से भारत पहले...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःइलियाना डिक्रूज ने किया...

वर्ष -09 अंक -87 | प्रयागराज, शुक्रवार 09 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

रूस से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का विमान सैन फ्रांसिस्को पहुंचा

मुंबई/सैन फ्रांसिस्को। एअर इंडिया के विमान में तकनीकी खराबी आने के कारण रूस के मगदान में फंसे यात्रियों को लेकर एक अन्य विमान बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को पहुंच गया। एअर इंडिया के दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हुए एक विमान को इंजन में तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को रूस के सुदूर मगदान शहर में आपात स्थिति में उतारना पड़ा था।

एअर इंडिया ने विमान में सवार 216 यात्रियों और 16 चालक दल के सदस्यों को उनके मूल गंतव्य सैन फ्रांसिस्को पहुंचाने के लिए एक 'फेरी' विमान भेजा था। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, " विमान संख्या एइआई-173डी आठ जून 2023 रात 12 बजकर सात मिनट पर (स्थानीय समयानुसार) सुरक्षित सैन फ्रांसिस्को पहुंच गया।" बयान के अनुसार, " एअर इंडिया.. सरकारी एजेंसियों, नियामक प्राधिकरणों, हमारे कर्मचारियों तथा भागीदारों को हमारे यात्रियों को जल्द से जल्द सैन फ्रांसिस्को पहुंचाने के हमारे प्रयासों और मगदान (रूस) में रुकने के दौरान उनका ध्यान रखने के लिए शुक्रिया अदा करती है।

तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी कोयला चोरी के मामले में ईडी के समक्ष पेश

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा कोयला चोरी के मामले में पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को यानी आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से समक्ष पेश हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईडी के तीन अधिकारी सॉल्टलेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी के कार्यालय में उनसे पूछताछ कर सकते हैं। ये अधिकारी नयी दिल्ली से उनसे पूछताछ करने के लिए यहां आए हैं। रुजिरा को सोमवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाली उड़ान पर सवार होने से रोक दिया गया था। उस वक्त उन्हें आठ जून को पूर्वाह्न 11 बजे ईडी के समक्ष पेश होने का नोटिस थमाया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि रुजिरा आज अपने वकील के साथ दोपहर बारह बज कर करीब चालीस मिनट पर सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचीं।

9 सालों में मोदी सरकार ने कैसे लाए अंतरिक्ष क्षेत्र में अच्छे दिन?इसरो 2024 तक लॉन्च करेगा मंगलयान 2

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए सरकार के नौ साल पूरे होने पर आकाशवाणी समाचार सरकार द्वारा की गई पहलों पर विशेष कहानियों की एक श्रृंखला लगातार प्रस्तुत की जा रही है। इसी क्रम में अंतरिक्ष क्षेत्र मोदी सरकार के कार्यों को रेखांकित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के दरवाजे खोले, परिणामस्वरूप अंतरिक्ष क्षेत्र में लगभग तीन वर्षों के भीतर 105 से अधिक स्टार्टअप देखने को मिले। भारत के अन्य प्रमुख अंतरिक्ष कार्यक्रमों में मंगलयान 2 भी शामिल है। आकाशवाणी संवाददाता के अनुसार मार्स ऑर्बिटर मिशन (जिसे मंगलयान भी कहा जाता है) के मंगल ग्रह की कक्षा में सफल होने के बाद, इसरो ने 28 अक्टूबर 2014 को मंगल ग्रह के लिए दूसरा मिशन शुरू करने की अपनी मंशा की घोषणा की थी।

जनवरी 2016 में भारत और फ्रांस ने 2020 तक संयुक्त रूप से एमओएम 2 बनाने के लिए इसरो और सीएनईएस के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। लेकिन अप्रैल 2018 तक फ्रांस मिशन में शामिल नहीं था। 2017 के अपने बजट प्रस्ताव में भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित एमओएम 2। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. के सिवन ने घोषणा की कि मंगलयान 2 केवल एक ऑर्बिटर मिशन होगा।

मिशन में मंगल के शुरुआती चरणों, इसकी शुरुआती परत, हाल के बेसाल्ट और बोल्डर गिरने जैसी चल रही गतिविधियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए एक बहुत ही उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाला पैनक्रोमेटिक कैमरा और एक रडार शामिल होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इस मिशन को 2024 तक लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

विस्तारा इस साल बेड़े में 10 विमान शामिल करेगी 1,000 लोगों की होगी भर्ती

इस्तांबुल। विस्तार चालू वित्त वर्ष में अपने बेड़े में कुल 10 विमान जोड़ने की लिए तैयार है। इस दौरान कंपनी की योजना 1,000 से अधिक लोगों को भर्ती करने की भी है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने अमेरिका उड़ान की योजना फिलहाल टाल दी है। इस समय एयरलाइन कंपनी विस्तार के बेड़े में 61 विमान हैं और उसके कर्मचारियों की संख्या 5,200 से अधिक है। कंपनी का एयर इंडिया के साथ विलय प्रस्तावित है। विस्तार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने इस सप्ताह हुई बातचीत के दौरान कहा कि गो फर्स्ट का परिचालन बंद होने के बाद नियुक्ति के लिए प्रतिभाशाली पायलट और चालक दल के सदस्य मौजूद हैं। उन्होंने कहा, "एयर इंडिया और इंडिगो की तरह, हमने भी उन्हें भर्ती किया। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम सही संख्या में सही लोगों को भर्ती करें। हम एक सामान्य प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जैसा कि कोई भी एयरलाइन करेगी। हम प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।" एयरलाइन ने गो फर्स्ट के करीब 50 पायलटों को भर्ती किया है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन की अगुवाई में एक प्रतिधिनिमंडल अमेरिका, क्यूबा के लिए रवाना

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अगुवाई में राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका और क्यूबा की आठ दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार को रवाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा अध्यक्ष ए एन शमसीर और राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल भी शामिल हैं।

ये लोग 'लोक केरल सभा' के अमेरिकी क्षेत्रीय सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। ये कार्यक्रम इन आरोपों के कारण विवादों में घिर गया था कि मुख्यमंत्री के पास खड़े होने अथवा बैठने के लिए लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं। विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा था कि यह राज्य के लिए "शर्म की बात है" किलोक केरल सभा के दौरान केरल के मुख्यमंत्री के पास बैठने या खड़े होने के "प्रस्ताव" के तौर पर 25,000 अमेरिकी डालर से लेकर 100,000 अमेरिकी डालर तक की राशि ली जा रही है। लोक केरल सभा नौ, 10 और 11 जून को न्यूयॉर्क में होने जा रहा प्रवासी केरल वासियों का सम्मेलन है। सत्तारूढ़ दल ने इन आरोपों को खारिज किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि विजयन 14 जून तक अमेरिका में रहेंगे और इसके बाद वह न्यूयॉर्क से क्यूबा की राजधानी हवाना के लिए रवाना होंगे। बयान में विजयन के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।

न्यायालय सांसद के बेटे की अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर कल सुनवाई करेगा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सदस्य मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दी गई 15 दिन की अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाश पीठ ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलों पर गौर किया, जिन्होंने तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल ने कहा कि नियमित जमानत का अनुरोध करने वाली खारिज कर दी गई थी और पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत के अनुरोध को भी अस्वीकार किया गया था।

उन्होंने आदेश पर स्थगन का अनुरोध करते हुए कहा," अब अचानक सास शौचालय में फिसलकर गिर जाती हैं और उनका उपचार चल रहा है। कोई गंभीर बात नहीं है। उनके पिता सांसद हैं जो उनकी देखभाल कर सकते है। देखभाल के लिए तीन भाई बहन हैं और इन सब के बावजूद उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी है।" उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह मामले पर सुनवाई शुक्रवार को करेगा। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने मगुंटा को बुधवार को इस

आधार पर जमानत दी थी कि उनकी सास अस्पताल में भर्ती हैं। इससे पहले निचली अदालत ने यह कहते हुए अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था कि इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि आरोपी के खिलाफ धनशोधन का मामला है जो कि एक गंभीर आर्थिक अपराध है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मगुंटा और अन्य के खिलाफ मामलों की जांच कर रहे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो तथा ईडी के अनुसार आबकारी नीति में बदलाव के दौरान अनियमितता बरती गई और लाइसेंस धारियों को लाभ पहुंचाया गया। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को आबकारी नीति लागू की थी लेकिन इसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद सितंबर 2022 के आखिर में इसे रद्द कर दिया था। सीबीआई और ईडी दोनों ने ही आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर मामले दर्ज किए और सिसोदिया फिलहाल जेल में हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस में शामिल हुए

हैदराबाद। मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाले के तथाकथित 'व्हिसलब्लोअर' आनंद राय सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) में बुधवार को शामिल हुए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राय यहां बीआरएस प्रमुख और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। सूत्रों ने बताया, 'मध्य प्रदेश में सनसनीखेज व्यापम घोटाले को सामने लाने वाले राज्य के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता आनंद राय बुधवार को बीआरएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए।' राय के साथ ही मध्य प्रदेश के कई आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता भी बीआरएस में शामिल हुए। मध्य प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता 30 मई को राव की उपस्थिति में यहां बीआरएस में शामिल हुए थे। पिछले साल दिसंबर में अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) से बदलकर बीआरएस करने के बाद राव ने अपनी पार्टी का विस्तार करने के लिए हाल के महीनों में पड़ोसी महाराष्ट्र में कई रैलियों को संबोधित किया है।

गंगा जमुना स्कूल के प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज, सीएम शिवराज बोले- यह बर्दाश्त नहीं करेंगे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में गंगा जमुना स्कूल के प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। गंगा जमुना स्कूल के प्रबंधन पर आरोप है कि लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए मजबूर किया गाय। इसकी के बाद यह मामला पूरा विवादों में है और इस पर राजनीति भी हो रही है। खबरों के मुताबिक, स्कूल प्रबंधन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 295 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और किशोर न्याय अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दमोह कांड में धर्मांतरण पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर एक निजी स्कूल का कथित पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर कुछ हिंदू लड़कियों को हिजाब पहने देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कुछ स्थानों पर धर्म परिवर्तन हो रहा है। हम उन्हें सफल नहीं होने देंगे। हमने जांच के आदेश दिए हैं, खासकर शैक्षणिक संस्थानों के लिए- अगर वहां गलत तरीके से शिक्षा दी जा रही है तो हम उसकी जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि दमोह कांड (हिजाब विवाद) को लेकर एक रिपोर्ट आ रही है। दो लड़कियों ने बयान दिए। यह एक गंभीर मामला है। हम प्राथमिकी दर्ज कर रहे हैं और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिवराज ने कहा था कि दमोह के गंगा जमुना स?कूल से सामने आए मामले पर उच?च स?तरीय जांच के निर्देश दिए हैं, मध?यप्रदेश की धरती पर कोई भी किसी बेटी या बच?चे को हिजाब बांधने या अलग ड्रेस पहनने पर विवश नहीं कर सकता। इसके लिए हम कठोर से कठोर कार्यवाही करेंगे।

हिंदू संगठनों ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक निजी स्कूल में हिंदू छात्राओं को जबरन हिजाब पहनाया जा रहा है, जिसके बाद इस स्कूल की यूनिफॉर्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने पूरे प्रकरण की जांच करने के आदेश दिए थे। अधिकारियों ने बताया था कि दमोह के गंगा जमुना हायर सेकेंडरी स्कूल के एक पोस्टर में हिंदू छात्राओं को हिजाब में दिखाये जाने के बाद यह जांच के आदेश दिए गये हैं।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को भेजे बंगाल के खास किस्म के आम,12 सालों से जारी है परंपरा

कोलकाता (एजेंसी)। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य के आमों की शीर्ष किस्मों को भेजा है। सीएम बनर्जी ने केंद्र सरकार के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद कई

सालों से पीएम मोदी को आम भेजने की परंपरा को कायम रखा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री कार्यालय को आम भेजे हैं। सूत्र ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को भी यह भेजा गया है।

सीएम ममता बनर्जी के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया कि आमों को डिस्पैच मंगलवार शाम को किया गया। नबन्ना के एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्तों के तहत बताया कि हिमसागर, लक्ष्मणभोग और फाजली सहित चार किलोग्राम विभिन्न किस्मों के आमों को प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में एक सुंदर उपहार बॉक्स में भेजा गया है। पिछले साल ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को आम भेजा था। टीएमसी प्रमुख ने उस परंपरा को जारी रखा है जो उन्होंने 2011 में शुरू की थी जब वह पहली बार मुख्यमंत्री बनी थीं।

नई दिल्ली ही नहीं, नबन्ना के सूत्रों ने बताया कि सीएम ममता बनर्जी ने आम के टोकरे के साथ बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना को भी अपनी शुभकामनाएं भेजीं। 2021 में, सीएम की प्रतिक्रिया के जवाब में, हसीना ने पीएम मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उपहार के रूप में 2,600 किलोग्राम आम भेजा। बांग्लादेशी ट्रकों में लदी इस खेप में प्रसिद्ध 'हरिभंगा' आम के 260 डिब्बे थे।

सीएम बनर्जी आम के अलावा पीएम मोदी को मिठाई भी भिजवाती हैं। 2019 में, पीएम मोदी ने खुलासा किया कि दुर्गा पूजा के अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो ने कुर्ता-पायजामा और मिठाई भेजी थी। उन्होंने कहा था कि विपक्षी दलों में मेरे कई दोस्त हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि ममता दीदी अब भी हर साल मेरे लिए एक या दो कुर्ते खुद चुनती हैं।

नशे में धुत पुरुष यात्री का ऑटो चालक ने उठाया फायदा, किराया कम करने के नाम पर आदमी का किया यौन उत्पीड़न

नई दिल्ली। ऑटो के किराए के भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद शराब के नशे में धुत पुरुष यात्री का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने एक 25 वर्षीय ऑटोरिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात घाटकोपर के उपनगरीय इलाके में हुई और ऑटोरिक्शा किराए पर लेने वाले 31 वर्षीय पुरुष यात्री ने इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शराब पीने के बाद बेहोशी की हालत में यात्री ने चालक को विभिन्न स्थानों पर जाने के लिए कहा, वह अपने इच्छित गंतव्य को लेकर काफी असमंजस में था। अधिकारी ने कहा एक घंटे के बाद यात्री अंततः रिक्शा से उतर गया। जब चालक ने किराए में 250 रुपये का भुगतान करने का अनुरोध किया, तो यात्री ने उसे 100 रुपये का नोट दिया, जिससे बहस शुरू हो गई।

'दुनिया में बढ़ी भारत की ताकत', राहुल पर बोले विदेश मंत्री-देश की राजनीति को बाहर ले जाना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 9 साल पूरे होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा हमें एक विकास भागीदार के रूप में देखता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री ने कहा कि आज लोग भारत को सुनना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि भारत के साथ काम करने से उनका प्रभाव भी तेज होगा। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान बहुत से देशों ने अपने नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। हम कोविड के दौरान फंसे हुए कम से कम 70 लाख लोगों को वापस लाए।

जयशंकर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी (राहुल गांधी) आदत है कि जब वो बाहर जाते हैं तो वे देश की आलोचना करते हैं, हमारी राजनीति के बारे में टिप्पणी करते हैं। दुनिया देख रही है कि इस देश में चुनाव होते हैं और चुनाव में कभी एक पार्टी जीतती है, कभी दूसरी पार्टी। उन्होंने कहा कि अगर देश में लोकतंत्र नहीं है तो ऐसा परिवर्तन तो नहीं आना चाहिए...हमें पता है कि 2024 के चुनाव का नतीजा तो वही होगा। विदेश मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि देश की राजनीति को बाहर ले जाना गलत है। विदेश मंत्री ने कहा कि हम बाहर जाते हैं और भारत की ओर से लोगों से मिलते हैं। हम समाज के विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं। दुनिया, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ, भारत को एक विकास के भागीदार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा हमें एक विकास भागीदार के

रूप में देखता है, न केवल एक विकास भागीदार के रूप में बल्कि एक विकास भागीदार के रूप में जो प्रधानमंत्री द्वारा कही गई बातों पर खरा उतरता है। इसके साथ ही उन्होंनो दावा किया कि हम अपने पार्टनर के साथ वो काम करते हैं जो उनकी प्राथमिकता होती है...आज भारत की दूसरी छवि एक आर्थिक सहयोगी की है। जयशंकर ने कहा कि आज लोग भारत को सुनना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि भारत के साथ काम करने से उनका प्रभाव भी तेज होगा। आज हम जो प्रभाव डाल रहे हैं, उससे हमारी परंपरा का उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम पहले जी20 अध्यक्ष हैं जिन्होंने अन्य लोगों से परामर्श करने का प्रयास किया और 125 देशों ने प्रतिक्रिया दी क्योंकि उन्हें हम पर भरोसा है। विदेश मंत्री ने कहा कि कोविड के दौरान बहुत से देशों ने अपने नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। हम कोविड के दौरान फंसे हुए कम से कम 70 लाख लोगों को वापस लाए।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है, जिसे दुनिया ने भी माना है। जयशंकर ने उत्तरी सीमा पर स्थिति और 'बेल्ट एंड रोड' पहल के खिलाफ देश के रुख का हवाला देते हुए कहा कि भारत किसी दबाव में नहीं आता।

उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के युद्ध का अलग-अलग देशों पर अलग प्रभाव है। अब रूस और चीन या और किसी देश पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा वह वे खुद तय करेंगे। 1955 के बाद से विश्व में बहुत कुछ हुआ लेकिन हमारा और रूस का रिश्ता स्थिर रहा है क्योंकि दोनों देश यह समझते हैं कि दोनों बड़े यूरेशियन देश है और पूरे यूरेशिया की स्थिरता हमारे रिश्तों पर निर्भर है।

पिछले कुछ समय से छात्रों का यह मामला आ रहा है, जिन्हें कनाडाई कहते हैं कि वे उस कॉलेज में नहीं पढ़े, जिसमें उन्हें होना चाहिए था और जब उन्होंने वर्क परमिट के लिए आवेदन किया, तो वे मुश्किल में पड़ गए। शुरू से ही हमने इस मामले को उठाया है और हमारा कहना है कि छात्रों ने नेक नीयत से पढ़ाई की। अगर उन्हें गुमराह करने वाले लोग हैं तो दोषी पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। नेक नीयत से पढ़ाई करने वाले छात्र को सजा देना अनुचित है। मुझे लगता है कि कनाडाई भी स्वीकार करते हैं कि अगर किसी छात्र ने कोई गलती नहीं की है तो यह अनुचित होगा।

प्रयागराज कुंभ झांकी थी 'पिक्चर' महाकुंभ में दिखेगी यहीं से लोग अयोध्या-काशी जाएंगेः डिप्टी सीएम मौर्य

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज : यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को परेड मैदान में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा की 2019 का कुम्भ मेला सिर्फ़ एक झांकी थी। असली 'पिक्चर' 2025 के कुम्भ में दिखेगी। वह आवास योजना लाभार्थी कार्यशाला व ग्रामीण परियोजना के समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा संगम नगरी आने के बाद लोग अयोध्या रामलला के दर्शन करने जाएंगे। संगम नगरी से ही काशी विश्वनाथ के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ आगे बढ़ेगी। मां विंध्यवासिनी हो या अन्य तीर्थ स्थल लोग संगम नगरी से ही रवाना होंगे। इस अवसर पर उन्होंने कहा की मोदी को प्रधानमंत्री बनने से कोई रोक नहीं सकता। विपक्षियों ने 2019 में भी कोशिश की थी और 2025 मे भी करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने पूरे ज़िले में होने वाले 342 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही 50 लाभार्थियों को मंच से आवास की चाभी सौंपी गयी।

खंसार विद्युत उपकेंद्र राम भरोसे

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। ग्रामीण क्षेत्र का खंसार विद्युत उपकेंद्र राम भरोसे चलता है दर्जनों बार में तो फीडर लगता है जो किसी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहा है। उप केंद्र की दुर्दशा का पता ना तो एसडीओ ना जेई को है। एच टी लाइनों पर डालियों बांस आदि है। जिन की कटिंग तक नहीं होती 20 किलो मीटर लंबा मैलहन फिडर आए दिन हाथ उठा देता है। प्राइवेट कारीगरों के भरोसे दोनों फीडर चल रहे हैं। बृहस्पतिवार को 2:30 बजे लाइन लगी फिर बैठ गई। उपकेंद्र पर ऑन ड्यूटी उदय यादव ने बताया कि कोई अटेंड नहीं कर रहा है ना ही फाल्ट देखने को कोई तैयार है। राम भरोसे कब तक चलेगा उपकेंद्र किसी दिन फुक जाएगा। मैलहन टाउन के दो सौ केवीए के ट्रांसफार्मर में आयल कम है। बुशिंग खराब है किसी दिन भीषण गर्मी में यह भी बैठ जाएगा।

भीषण गर्मी में बच्चों को राहत गर्मी की छुट्टियां 26 तब बढ़ीं

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराजः बेसिक शिक्षा परिषद ने भीषण गर्मी को देखते हुए 15 जून से खुलने वाले स्कूलों को 26 जून तक बंद रखने का फैसला लिया है। सचिव प्रताप सिंह बघेल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। स्कूलों में 20 मई से 15 जून तक कुल 27 दिनों की गर्मी की छुट्टी को मंजूरी दी गयी थी। अब इस अवकाश की अवधि को दिनांक 26 जून (42) दिनों तक बढ़ाया गया है। नए आदेश के तहत ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि 20 मई से 26 मई तक हो गई है।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

प्रयागराज।मेजा के मेजारोड- कठौली ओवरब्रिज के पास वाहन की चपेट में आने से युवक की घटनास्थल फर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गड़ेवरा कठौली गांव निवासी ब्रजेश कुमार (24)पुत्र बालामृत बुधवार को मेजारोड बाजार गया था। जहां से वह देर रात घर लौट रहा जा। जैसे ही वह ओवरब्रिज के समीप पहुंचा ही था कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिसकी चपेट में आने से ब्रजेश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक युवक छः भाईयों में पांचवें नंबर का था। ग्रामीणों की मानें तो मृतक के तीन और भाइयों की मौत हो चुकी है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

विद्युत शिकायत निवारण महा कैंप का आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। ग्राम सभा तिसौरा में विद्युत शिकायत निवारण महा कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें उपखंड अधिकारी फूलपुर श्री प्रांजल मिश्रा, अवर अभियंता अशोक कुमार, संबंधित फिडर के लाइनमैन और मीटर रीडर टीम में उपस्थित रहे। आज ग्राम सभा में 100 केवीए ट्रांसफॉर्मर की डोर-टू-डोर कांबिंग की गई। बड़े बकायदारों एवं कभी न भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं के विद्युत विच्छेदन कराए गए। एक लाख से ऊपर 10 बकाएदारों के विद्युत विच्छेदन कराए गए। आज ग्राम सभा में 35 बकायदाओं के विद्युत विच्छेदन कराए गए। कैंप में आज वसूली ?1,25,000 की हुई। बिल संशोधन के दस प्रकरणों में 8 लोगों के बिल संशोधन किए गए। मौके पर तीन खराब मीटर को बदला गया। विद्युत उपभोक्ताओं की जो शिकायतें थीं, उनका भी निराकरण किया गया।

यह सभी कार्यों के द्वारा हमारे ग्रामीण क्षेत्र में बिजली समस्याओं को सुलझाने और उपभोक्ताओं को सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया गया है। ग्राम सभा के सभी सदस्यों को बधाई और धन्यवाद जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया। हम आपको सभी के योगदान के लिए आभारी हैं। साथ ही, उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे समय पर अपने बिजली बिलों का भुगतान करें और स्थानीय विद्युत विभाग का निरंतर सहयोग एवं समर्थन करें। इससे हमारे ग्रामीण क्षेत्र में और अधिक विकास होगा और हम सभी को आरामदायक जीवन प्रदान होगा।

फूलपुर के मतदाता को तहसील में कार्य करने का हक नहीं

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। अधिवक्ताओं के एक गुट द्वारा तहसील में नियुक्त कर्मी जो कथित रूप से भ्रष्टाचार में लिप्त है। जब तक हटाया नहीं जाएगा तब तक अनवरत विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता शमीम अहमद सिद्दीकी ने कहा कि फूलपुर का मतदाता फूलपुर तहसील में कार्य करें यह नहीं हो सकता, उसको हटना ही पड़ेगा। बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन का दसवां दिन है। हालांकि आज सभी कोर्ट खुली रही एसडीएम से लेकर नायब तक ने अपनी अदालतों में सुनवाई की। आज प्रदर्शन में मुख्य रूप से चंद्रभान यादव, सौरभ यादव, जुगेश कुमार, नौशाद, मोहम्मद इजहार, सै0 नदीम जैदी, सै0 जाकिर, अदनान, विजय यादव, उमाकांत अवस्थी, राजेंद्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

अधिकारीगण अपने-अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते-जिलाधिकारी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कल देर सायंकाल कलेक्ट्रेट के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, बाट-माप, वन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की। प्रारम्भ में जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और कहा कि अधिकारीगण अपने पद एवं दायित्वों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें, जो भी योजनायें गरीबों, असहायों के लिये है उसका लाभ उन्हें अवश्य दिया जाये, योजनाओं के लाभार्थियों से धन की वसूली कदापि न की जाये। समाचार पत्रों के माध्यम से निगेटिव खबर को

संज्ञान में लेते हुये उसका मौके पर स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का निराकरण करायें।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की शत् प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाये इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, जिन विभागों द्वारा आरसी जारी की गयी है राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर उनकी वसूली सुनिश्चित करायें। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की प्राथमिकता है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही है। उन्होने कहा कि राजस्व वसूली में शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी, इसलिये सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश गुप्ता सहित समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार उपस्थित रहे।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

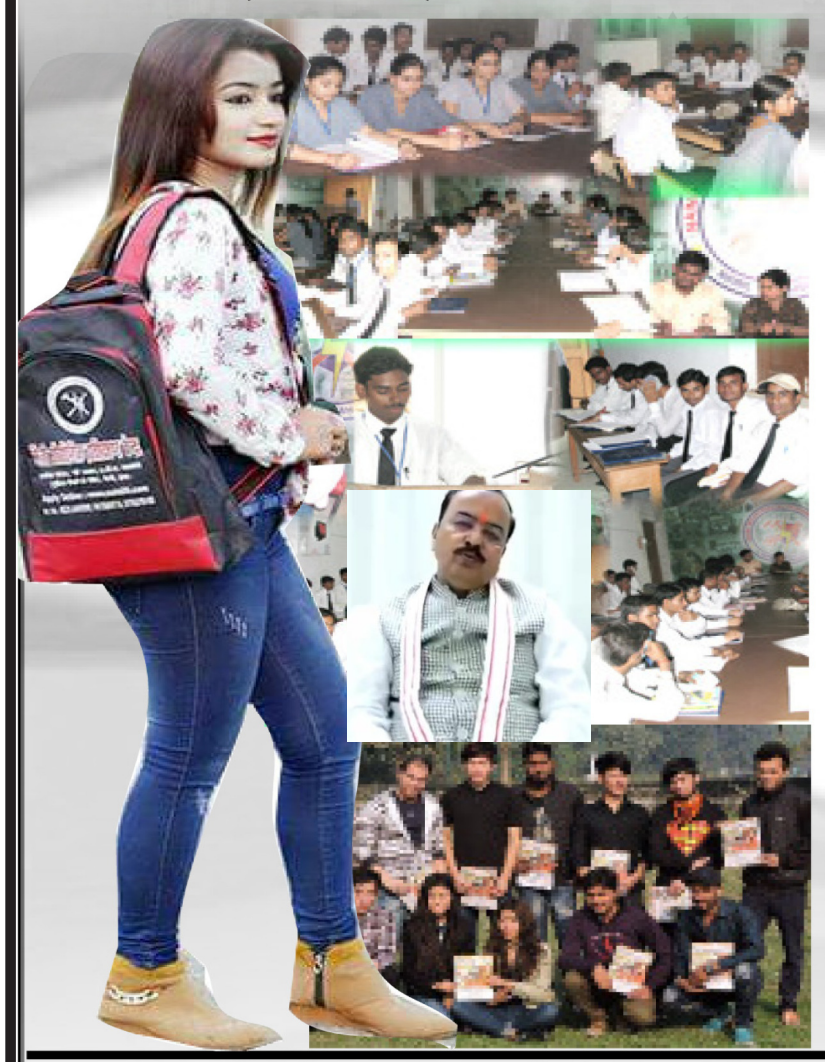

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
➪ एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
➪ C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

दर्शनार्थियों को गुमराह वा परेशान करने वाले दलालो पर देवी जी चौकी पुलिस की कार्यवाही

आधुनिक समचार सेवा

मैहर देवी जी में दलालों का आतंक दर्शनार्थियों को गुमराह वह परेशान करने वाले दलालों पर देवी की चौकी पुलिस की की गई बड़ी कार्यवाही आशुतोष गुप्ता पुलिस अधीक्षक सतना के निर्देशन में लोकेश डावर एसडीओपी मैहर एवंअनिमेष द्वेवदी थाना प्रभारी मैहर के मार्गदर्शन में एवं चौकी प्रभारी देवीजी संतोष सिंह उलाड़ी के नेतृत्व मे देवी जी चौकी पुलिस की कार्यवाही देवी जी क़स्बा भ्रमण के दौरान सुचना मिली दो व्यक्ति राकेश अग्रवाल से वाद विवाद कर रहे और मारपीट पर आमादा हो रहे है एवं कुछ व्यक्ति मंदिर आने जाने वाले दर्शनर्थियों को परेशान कर रहे है जिस पर चौकी प्रभारी महोदय ने टीम बनाकर रवाना किया और सुचना की तस्दीक कराई सुचना सही होने पर अलग अलग जगह से 9 व्यक्तियों को जो अशांति फैला रहे थे समझाने की कोशिस की गयी पर उनलोग नहीं मान रहे थे उनलोगो के नहीं मानने एवं मरने मारने पर आक्रोषित हो रहे थे जिस पर से शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए धारा 151 जा. फौ. के तहत गिरफ्तार कर 151,107,116(3) जा. फौ. का

इस्तगसा तैयार कर एस. डी. एम. कार्यालय मैहर पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

1. पवन सिंह ठाकुर पिता स्व. गोविंद सिंह ठाकुर उम्र 30 वर्ष नि थाना मैहर जिला सतना

3. अतीक मोहम्मद पिता मोहम्मद नत्थू उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 7 पुरानी बस्ती थाना मैहर जिला सतना

4. मोहम्मद इरफान पिता स्वर्गीय मोहम्मद अहसान उम्र 24 वर्ष निवासी न्यु आरकंडी देवी जी मैहर जिला सतना

5. पवन बुनकर पिता राज बुनकर उम्र 23 वर्ष निवासी चंडी गंज कटरा थाना मैहर जिला सतना

6. शशांक द्विवेदी पिता राघवेंद्र द्विवेदी उम्र 23 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 7 किला चौक थाना मैहर जिला सतना 7.प्रदीप कुशवाहा पिता श्री शिवनाथ कुशवाहा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम उदयपुर थाना मैहर जिला सतना 8. सागर बंसल पिता सुरेश बंसल उम्र 26 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती उत्तर दरवाजा थाना मैहर जिला सतना। 9.सुशील सोनी पिता सोहन लाल सोनी उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम ढाणी देवी जी थाना मैहर जिला सतना

सराहनीय भूमिकाङ - उप निरी. संतोष सिंह उलाड़ी चौकी प्रभारी देवी जी ,सउनि एस एन साकेत ,प्र. आर. प्रमोद गुप्ता ,आरक्षक मोहन दांगी, धनेन्द्र पटले, प्रदीप मिश्रा , सै.केदार प्रसाद, सै. अरविन्द वर्मा, सै. वासुदेव सै. शिवप्रसाद ।

महाराजा नगर थाना मैहर जिला सतना।

2. अजय चौधरी पिता स्वर्गीय राम सिया चौधरी उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड क्र 1 महाराजा नगर

जिला बाल संरक्षण इकाई व मानव तस्करी रोधी इकाई के द्वारा पांच नाबालिग बच्चों कराया गया बाल श्रम से मुक्त - राजेश कुमार खैरवार

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह व पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह के निर्देश के क्रम में जिला प्रोवेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक ,ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे व मानव तस्करी रोधी इकाई प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव, उपनिरीक्षक हरिदत्त पाण्डेय, आरक्षी अमन द्विवेदी द्वारा बाल श्रम व बाल भिक्षावृत्ति के रोकथाम हेतु विशेष अभियान थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत कस्बा एवं ब्लाक मुख्यालय पर चलाया गया,अभियान के दौरान रावर्टसगंज बस स्टैंड की ओर जाते पांच नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों मे बच्चे मिले बच्चों से पुछ ताछ किया गया बच्चों की स्थिति को दृष्टिगत देखते हुए टीम द्वारा तत्काल सभी बच्चों को अपनी अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया समिति के समक्ष नाबालिग बच्चों द्वारा बताया गया कि हम लोगो से केटरर द्वारा शादीयो मे वेटर का कार्य कराया जाता है और 300 रूपया भी दिया जाता है जिसे तत्काल समिति द्वारा संज्ञान लेते हुए पाँच नाबालिग बच्चों को बाल गृह बालक उरमौरा रावर्टसगंज सोनभद्र में आवासित करा दिया गया और नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये।

धूमधाम से मनाया गया माननीय डॉ0 संजय निषाद का जन्मदिन

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र।स्थानीय डाला वैष्णो मंदिर परिसर में माननीय डॉ संजय कुमार निषाद का जन्म दिन बड़े ही धूमधाम से मनाई गई।

बुधवार देर शाम डाला वैष्णो देवी मंदिर के प्रांगण में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/ कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार माननीय डॉ संजय कुमार निषाद जी के 58 वां जन्मदिन के शुभ अवसर पर अनिकेत निषाद के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जन्म दिन बड़े ही धूमधाम से मनाई गई एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए बधाई शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर अनिकेत निषाद जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा ,प्रकाश चौधरी जिला उपाध्यक्ष अंशु पटेल जिला महासचिव गोविंद भारद्वाज जिला महासचिव रामू सिंह गौड़ बजरंगी सेठ धर्मो टाटा चौधरी मुकेश चौधरी बबलू निषाद संदीप निषाद कार्यकर्ता शामिल रहे।

जनपद मे धारा 144 लागू, 31 जुलाई 2023 तक सम्पूर्ण जनपद मे रहेगा प्रभावी

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर। अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0) शिव प्रताप शुक्ल ने अपने एक आदेश के तहत जनपद मे जनपद में धरना/प्रदर्शन/ सभा, ईदज्जुहा (बकरीद), मोहर्रम, बीएड परीक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगात्मक परीक्षाओं आदि के दृष्टिगत धारा-144 लगा दी गयी हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कतिपय अराजक एवं असामाजिक तत्वों द्वारा सुरक्षा, शान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग करने की आशंका के दृष्टिगत जनपद मे सुरक्षा, शान्ति एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये तत्कालिक प्रभाव से दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 लगा दिया गया है। यह आदेश जनपद मीरजापुर के सम्पूर्ण क्षेत्र मे आगामी दिनांक 07 जून 2023 से 31 जुलाई 2023 तक प्रभावी रहेगा। इस आदेश मे वर्णित प्रतिबन्धो की अवहेलना पर भारतीय दण्ड विधान की धारा-188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

मैहर सरला नगर रोड पर सड़क हादसा तीन घायल

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। सड़क किनारे शराब दुकान के पास खड़े ट्रक में पीछे से कार की टक्कर में कार सवार तीन लोग घायल हो गए, मामला मैहर के ग्राम सोनवारी का है जहां पर ग्राम घुनवार से सरलानगर की तरफ जा रही

तेज सफ़ेद कलर की इंडिका कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकराई जिसमे कार सवार तीन लोग घायल हो गए। कार में फंसे घायल लोगों को वहां से गुजर रहे ग्राम डेल्हा सरपंच अभिषेक जायसवाल ने बाहर निकला ओर अपने वाहन में खून से लथपथ घायलों को लेकर मैहर सिविल अस्पताल पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने घायलों का इलाज किया । घायलों से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल था जिसे बेहतर इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल 108 वाहन से रेफर कर दिया गया है।

मानवता का मिसाल पेश किए तेज सिंह यादव ने चलती ट्रेन से गिरे एक यात्री की जान बचा कर

आधुनिक समाचार सेवा

सागर प्लेटफार्म के पास चलती ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास कर रहे एक यात्री का बैलेंस बिगड़ जाने से पैर फिसल गया जिससे उसी ट्रेन पर सफर कर रहे तेज सिंह यादव ने मानवता का मिसाल पेश किया झट से कूद कर यात्री की जान बचाई जीवन रक्षा के तहत एक व्यक्ति का जीवन बचाए जाने के संबंध में विषयांकित के संबंध में अवगत कराया जाता है कि आज दिनांक 29.05.22 को आरक्षक तेज सिंह द्वारा ओ.एच.ई.

पेट्रोलिंग ड्यूटी उपरांत मकरोनिया से सागर लौटते समय करीबन 06.50 बजे सागर स्टेशन पर इइ 1 पर गाडी संख्या 22162 राजरानी एक्सप्रेस के डिपार्चर होने के पश्चात, एक व्यक्ति जिसका नाम अशोक कुमार पिता जयराम चढ़ार उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम बमोरी थाना मोतीनगर जिला सागर मध्य प्रदेश मोबाइल नंबर 83 19 772 996 पेशे से शिक्षक, सागर से भोपाल की यात्रा कर रहे थे, ने सागर स्टेशन पर चलती गाडी में चढ़ने का का प्रयास किया, तथा बैलेन्स बिगड जाने के कारण वह यात्री गाडी के हत्थे को पकड़कर घिसटने लगा जिसे आरक्षक तेज सिंह द्वारा पकड कर अपनी ओर खीचा गया और यात्री को गाडी और प्लेटफार्म के बीच मे बने गैप में जाने से रोक लिया, आरक्षक द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही से यात्री की जान बचायी जा सकी वर्तमान में यात्री सुरक्षित है। सीसीटीवी फुटेज के साथ रिपोर्ट सूचनार्थ सादर प्रेषित है।

सढेरा लाइमस्टोन माईन्स मैहर को मिला पर्यावरण संरक्षण का उत्कृष्ठता पुरस्कार

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड सढ़ेरा लाइमस्टोन माइन्स मैहर जिला सतना म.प्र. को प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में खनिजों के उत्खनन के लिए संचालित खदानों की श्रेणी के अंतर्गत वर्ष 2001-22 अवधि के लिए मध्यप्रदेश में प्रथम पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भोपाल सांसद साध्वी सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर के कर कमलों के द्वारा मेसर्स आरसीसीपीएल प्रा.लि. मैहर के इकाई प्रमुख पी.के.चौधरी, एडिशनल वाइस प्रेसीडेंट हेमन्था कुमार, खदान प्रमुख अखिलेश जे सिंह, अश्वनी कुमार करवरिया डीजीएम एवं संदीप पाण्डेय जनरल मैनेजर को प्रदान किया गया है।

किसानों की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर सीटू कार्यकर्ताओं ने नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर धरना दे रहे किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जिसके विरोध में सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के कार्यकर्ताओं ने नगर में मजिस्ट्रेट कार्यालय सेक्टर- 19, नोएडा पर प्रदर्शन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन देकर गौतम बुध नगर पुलिस की अनुचित व गैर कानूनी कार्यवाही पर रोक लगाने व गिरफ्तार किए गए सभी किसानों को तत्काल रिहा कर

किसानों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन/ मांग पत्र की सभी मांगो पर किसानों के साथ वार्ता कर सम्मानजनक समाधान कराने की मांग किया।

सीटू जिला महासचिव राम सागर ने किसानों की गिरफ्तारी के लिए प्रशासन की कड़ी निंदा किया और कहा कि कल से नोएडा पुलिस द्वारा हमारे कार्यालय की घेराबंदी कर रखी है उच्च अधिकारियों से बात करने पर देर रात्रि कार्यालय से कार्यकर्ताओं को घर जाने दिया लेकिन सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा अभी भी पुलिस की निगरानी में है पुलिस की यह कार्रवाई अनुचित व गैरकानूनी है। सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि यदि किसानों की तुरंत रिहाई कर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो अगले सप्ताह में हजारों की संख्या में किसानों के समर्थन में डीएम कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर जबरदस्त प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में सीटू नेता पूनम देवी, अमित कुमार रस्तोगी, भरत डेंजर, बृजेश कुमार, सतीश कुमार, नेहा मिश्रा, भीखू प्रसाद, रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा जनवादी महिला समिति की नेता चंदा बेगम, आरडब्ल्यूए सेक्टर- 19, नोएडा के वरिष्ठ पदाधिकारी लक्ष्मी नारायण आदि शामिल रहे।

विकास कार्यों के बुकलेट वितरित कर किया प्रचार-प्रसार

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर स्थित एक होटल कैंपस परिसर में बुधवार को पीएम मोदी के 9 वर्ष पूर्ण होने पर जनसंपर्क महा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा अनुसूचित मोर्चा के काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के बुकलेट वितरित कर योजनाओं की दी गई जानकारी।

अजीत रावत ने बताया कि मा0 प्रधानमंत्री के 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित मोर्चा द्वारा सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बीच में पीएम मोदी के महत्वकांक्षी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का लक्ष्य के तहत बुधवार को एक कार्यक्रम में

मौजूद दर्जनों कार्यकर्ताओं में बुकलेट वितरित करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने व जन जन तक स्वरोजगार के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के योजनाओं का विस्तृत रूप से जानकारी दी गई इस दौरान काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि काशी क्षेत्र के 16 जिलों में अनुसूचित मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा पीएम मोदी के 9 साल की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों बुध अध्यक्ष को निर्देशित किए गए हैं इस अभियान को सफल बनाने सभी कार्यकर्ताओं को हर गांव हर घर पहुंच कर योजनाओं को विस्तारित रूप से बताने का कार्य किया जा रहा है अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को ली शपथ। इस मौके पर रवि कनौजिया कमलेश कनौजिया आलोक रावत भैयालाल चौधरी राजन अमित कुमार रमेश पासवान संजय कुमार अनीता देवी संजू भारती कृष्ण कुमार राजेंद्र कुमार वरुण अरोरा रविंद्र यादव सहित आदि लोग मौजूद रहे।

लीजिये ज़िक्र हो ही रहा था की आज घटना हो ही गयी

ट्रक पास कराने वाले गिरोह ने नैनी के 2 पत्रकारों को बहुत मारा, क्युकी वो दोनों पत्रकार रामजी केसरवानी और विनोद केसरवानी इन ट्रक पास कराने वाले दलालों का पर्दा फाश कर रहे थे,दोनों पत्रकारों ने देखा की पुल का रास्ता बंद है फिर भी 200 ट्रकें क्यों आकर लाइन से खड़ी हैं और आगे बढे तो सारा खेल समझ में आ गया,दलालों ने सारे ट्रक मालिकों से मोटी रकम ले रखी है ट्रक पास कराने की और इसी घटना को उजागर करने के लिए दोनों पत्रकार वाहन पहुंचे थे, लेकिन दलालों को जब पता चला तो पूरे दलालों ने मिलकर दोनों पत्रकारों पर हमला कर दिया जो की आप वीडियो में देख सकते हैं की क्या हुआ

सीधी में दर्दनाक सड़क हादसा 7 लोगो की मौके पर मौत

आधुनिक समाचार सेवा

सीधी में दर्दनाक सड़क हादसा सड़क पर खाड़ी बुलेरो को हाइवा ट्रक ने रौंदा, बुलेरो में सवार दो बच्चें सहित कुल 7 लोगों की मौके पर मौत, दो लोगों की हालत गम्भीर, कुन्दौर गाँव से वापस आ रहें सीधी के सिरसी गाँव,सीधी टिकरी मार्ग के डोल में सड़क हादसा यह सभी लोग यादव परिवार से बताएगा है बरात करके घर वापसी जा रहे थे।

एनिमेशन के क्षेत्र में भी खूब हैं रोजगार के मौके

आज वीडियो म्यूजिक हो या वीडियो एलबम या फिर फिल्म और धारावाहिक, एनिमेशन का प्रयोग धड़ल्ले से होने लगा है। इसके अलावा टेलीविजन, प्रोडक्ट प्रमोशन, वेबसाइट, आर्किटेक्चर वेबसाइट और वर्चुअल रिएलिटी तक में एनिमेशन का प्रयोग किया जाने लगा है लिहाजा यह क्षेत्र हाल के दिनों में सबसे पसंदीदा कॅरियर के तौर पर उभरा है।एनिमेशन आज सबसे तेजी से बढ़ने वाली सूचना तकनीकी में से एक है। पिछले एक दशक में इसका तेजी से विस्तार हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक एनिमेशन उद्योग में 2008 तक अकेले भारत में हजारों पेशेवरों की जरूरत होगी। आज इस थ्री डी तकनीकी के चलते गेम्स का जबरदस्त विकास हुआ है। इस क्षेत्र में सोनी और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां भी सक्रिय हैं। लिहाजा टू डी और थ्री डी कम्प्यूटर जेनरेटेड एनीमेशन कंटेंट के क्षेत्र में आज भारत दुनिया भर में अव्वल है। इसकी वजह यहां सस्ती मजदूरी और अंग्रेजी भाषा है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन उद्योग की निगाहें आज

प्रमुख संस्थान

- सीडैक नेशनल मल्टीमीडिया रिसोर्स सेंटर, पुणे।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी।
- इंडस्ट्रियल डिजायन सेंटर, आईआईटी, मुंबई।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद।
- एरीना मल्टीमीडिया, एरीना एनिमेशन एकेडमी।

भारत पर टिकी हैं। इस क्षेत्र में कामयाब होने की सबसे पहली शर्त रचनात्मक और लगन का होना है। इसके अलावा कम्प्यूटर आधारित एनिमेशन पैकेज का अच्छा ज्ञान होना भी जरूरी है। एनिमेशन और मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर जैसे थ्री डी स्टूडियो मैक्स, माया फॉर थ्री डी एनिमेशन, टू डी एनिमेशन के लिए एनिमें और यूएस एनिमेशन में काम करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त होना जरूरी है। साथ ही फोटो शॉप, एडोब आफ्टर इफेक्टस की जानकारी भी होनी चाहिए। जहां तक इस क्षेत्र में रोजगार मिलने की बात है, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि आपके लिए रोजगार के दस दरवाजे खुले होंगे। मसलन मनोरंजन उद्योग, प्रोस्ट प्रोडक्शन और स्पेशल इफेक्टस, सेल एनिमेशन, विज्ञापन एनिमेशन पेज ले आउट, वेबसाइट, वेब ग्राफिक्स डिजाइन, टीवी सॉफ्टवेयर कंपनियां और आर्किटेक्चर डिजाइन के क्षेत्र हैं। एक अनुमान के मुताबिक 2005 तक भारत में एनिमेशन उद्योग 30 अरब डॉलर का हो जाएगा। जबकि दुनिया भर में 70 अरब डॉलर का। इससे भी इस क्षेत्र में रोजगार का अनुमान लगाया जा सकता है।अगर आप एनिमेशन के क्षेत्र में अपना कॅरियर संवारना चाहते हैं तो इन शिक्षण संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं।

शादी के सीजन में पोशाकों पर प्रिंट का जलवा

इस सीजन में ब्राइडल कपड़ों में भी प्रिंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। फैब्रिक चाहे हल्के जार्जेट हो या भारी वेलवेट। इसमें की गई हेवी गोल्डन एम्ब्रायडरी खूब फबती है। डिजाइनर ब्राइडल कलर में मरून, वाइन कलर, गोल्डन कलर का खूब इस्तेमाल करते हैं। इन पर ऐसी कारीगरी की जाती हैं कि यह दुल्हन को एक नया सौंदर्य देते हैं। भारी गोल्ड जरदोजी एम्ब्रायडरी लहंगों और ब्राइडल कपड़ों पर ऐसे किया जाता है मानों प्रिंट किया गया है। त्योहारों और शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में अगर आप एक नए लुक में दिखना चाहती हैं, तो फ्लोरल प्रिंट बेहतर है। पेस्टल शेड पर फ्लोरल प्रिंट के क्या कहने! इसे पहनकर आप भीड़ से अलग दिखेंगी। शादी की भागदौड़ में अक्सर हम भारी-भरकम कपड़े पहन कर परेशान हो जाते हैं। ऐसे में हल्के प्रिंट के कपड़े साथ में गोल्डन एम्ब्रायडरी की साड़ी इस मौके के लिए बेहतरीन हैं। रोजमर्रा की बात करें तो इसमें तो प्रिंटेड कपड़ों का बोलबाला है। ब्लैक रेड, मरून, पीला हर कपड़ों पर प्रिंट फबता हैं। अगर आप जींस या टॉप पहनती हैं, तो इसमें भी अब प्रिंट मिल जाते हैं। जींस की जगह अब प्रिंटेड जेगिंस ने ले ली है। ये देखने में जितने आकर्षक लगते हैं उतना ही पहनने में आरामदायक। प्रिंटेड टीशर्ट न सिर्फ युवतियों बल्कि युवकों में भी पसंद किया जा रहा है। शादी के सीजन में युवाओं के लिए भी प्रिंटेड में बहुत कुछ है। प्रिंटेड ब्लेजर को अगर पेंसिल ट्राउजर के साथ पहना जाए, तो यह क्लासी लुक देता हैं। अगर आप शेरवानी के शौकीन हैं, तो प्रिंट शेरवानी पर सुनहला एम्ब्रायडरी कर पहनें। आप भीड़ से बिल्कुल अलग दिखेंगी। शादी में अगर थोड़ा शाही अंदाज चाहते हैं, तो मरून, ब्लू और पिस्ता रंग की शेरवानी और ब्लेजर पहनें। यह आपको बेहद ही फैशनेबल दिखाएगा। सर्दियों में वेलवेट बेहद पसंद किया जाता हैं तो कटेम्परी लुक के लिए प्रिंटेड वेलवेट कोट पहन सकते हैं। इसके साथ चाहें, तो स्कार्फ कैरी कर सकते हैं। बनारसी कपड़ों में भी बेहतरीन प्रिंट मिल जाते हैं और ये फैशन की हिस्सा बन चुके हैं। इस तरह फार्मल, पारॅपरिक या ब्राइडल कुछ भी आप प्रिंट में चुन कर फैशन में शामिल हो सकते हैं।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन के प्रमुख मंदिर

मथुरा से 15 कि।मी। की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित 'गोविन्द देव मंदिर' तथा उत्तर शैली में बना 'रंगजी मंदिर' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर : बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रातः 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन : यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रातः देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर : निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर : दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई। में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी।

महाराष्ट्र का कश्मीर है महाबलेश्वर, मराठाओं का गौरवशाली इतिहास

महाबलेश्वर को महाराष्ट्र का कश्मीर माना जाता है। इसको सभी हिल स्टेशनों की रानी के रूप में भी जाना जाता है। यह पहाड़ी स्टेशन सतारा जिले के सह्याद्री पहाड़ियों के केंद्र में 1,438 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसका नाम भगवान महादेव मंदिर और तीन संस्कृत शब्द, महा (महान), बाल (शक्ति) और ईश्वर (ईश्वर) से लिया गया है। कुछ लोग पौराणिक अतीत के साथ नाम भी संबोधित करते हैं क्योंकि नाम महाबलेश्वर का अर्थ शक्तिशाली भगवान है। आजादी से पहले अंग्रेजों ने इस खूबसूरत जगह को अपने हॉलीडे पॉइंट बनाया था वो अकसर या कुदरत की सुंदरता का आनंद लेने यहां आते थे। अगर इस पहाड़ी से नीचे देखा जाए तो आपको समुद्र और घाटी के विशाल दृश्य देखने को मिलेंगे। महाबलेश्वर को जलवायु, भ्रमण, खेल और अन्य गतिविधियों के संदर्भ में महाराष्ट्र में सबसे अच्छा छुट्टी का स्थान माना जाता है।

महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खास जगह

वेन्ना झील :- महाबलेश्वर में वेन्ना झील सबसे लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक है। वेन्ना झील प्राकृतिक झील नहीं है क्योंकि इसे 1942 में छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज द्वारा बनाया गया था। हरी-भरी हरियाली से घिरी वेन्ना झील में लगभग 28 एकड़ जमीन का परिसर लगभग 7-8 किलोमीटर है। महाबलेश्वर शहर के लिए पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए झील का निर्माण किया गया था। यह हनीमूनों के साथ-साथ परिवारों के बीच बहुत लोकप्रिय स्थान है। पर्यटकों के लिए रो और पेडल नौकाएं उपलब्ध हैं।

प्रतापगढ़ किला :- महाबलेश्वर में प्रतापगढ़ किला जो प्रतापगढ़ के युद्धस्थल के रूप में भी जाना जाता है। प्रतापगढ़ का किला मराठा सम्राट शिवाजी के उन किलों में से एक है जिन्हें शिवाजी ने अपने निवास स्थान के तौर पर तैयार करवाया था। यह किला भारतीय इतिहास के उस दौर का भी गवाह है जब शिवाजी ने एक ताकतवर योद्धा अफजल खान को नाटकीय तरीके से मार दिया था और जहां से मराठा साम्राज्य ने एक निर्णायक मोड़ लिया। पानघाट पर स्थित यह किला छत्रपति शिवाजी के आठ प्रमुख किलों में से एक माना जाता है।

लिंगमला फॉल्स :- ये फॉल्स प्राकृतिक सुंदरता एक खूबसूरत उदाहरण है। जहां जाने के लिए आपको घने जंगलों के बीच से एक स्वर्ग के समान रास्ते से जाना होगा और यकीन मानिये ये रास्ता आप कभी नहीं भूलेंगे। लिंगम फॉल्स का सबसे अच्छा समय जुलाई और दिसंबर के बीच है। इन महीनों के दौरान, लिंगमला फॉल्स महाबलेश्वर में जाने के लिए सबसे अच्छे स्थान के बीच सबसे ज्यादा दौरा किया जाता है।

27 वर्ष की उम्र में ही राजपाट छोड़ शांति की खोज में लग गये थे गौतम बुद्ध

बुध पूर्णिमा न केवल बौध धर्म के अनुयायियों के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। इस साल यह 30 अप्रैल को है। बुध पूर्णिमा को बुद्ध जयंती और उनके निर्वाण दिवस के रूप में जाना जाता है। यानी यही वह दिन था जब बुद्ध ने जन्म लिया, शरीर का त्याग किया था और मोक्ष प्राप्त किया। भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9वां अवतार माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिये भी उनका महत्व है। बुद्ध संन्यासी बनने से पहले कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ थे। शांति की खोज में वे 27 वर्ष की उम्र में घर-परिवार, राजपाट आदि छोड़कर चले गए थे। भ्रमण करते हुए सिद्धार्थ काशी के समीप सारनाथ पहुंचे, जहाँ उन्होंने धर्म परिवर्तन किया। यहाँ उन्होंने बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे कठोर तप किया। कठोर तपस्या के बाद सिद्धार्थ को बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई और वह महान संन्यासी गौतम बुद्ध के नाम से प्रचलित हुए और अपने ज्ञान से समूचे विश्व को ज्योतिर्मय किया। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। वे महलों में बंद न रह सके। उन्होंने स्वयं प्रथम ज्ञान-प्राप्ति का व्रत लिया था और वर्षों र्तक वनों में घूम-घूम कर तपस्या करके आत्मा को ज्ञान से आलोकित किया। स्वयं ने सत्य की ज्योति प्राप्त की और फिर जनता में बुराइयों के खिलाफ आवाज बुलन्द किया। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया और अत्यन्त कुशलता से बौद्ध भिक्षुओं को संगठित किया और लोकतांत्रिक रूप में उनमें एकता की भावना का विकास किया। इसका अहिंसा एवं करुणा का सिद्धांत इतना लुभावना था कि सम्राट अशोक ने दो वर्ष बाद इससे प्रभावित होकर बौद्ध मत को स्वीकार किया और युद्धों पर रोक लगा दी। इस प्रकार बौद्ध मत देश की सीमाएँ लांघ कर विश्व के कोने-कोने तक अपनी ज्योति फैलाने लगा। आज भी इस धर्म की मानवतावादी, बुद्धिवादी और जनवादी परिकल्पनाओं को नकारा नहीं जा सकता और इनके माध्यम से भेद भावों से भरी व्यवस्था पर जोरदार प्रहार किया जा सकता है। यही धर्म आज भी दुःखी एवं अशान्त मानवता को शान्ति प्रदान कर सकता है। ऊँच-नीच, भेदभाव, जातिवाद पर प्रहार करते हुए यह लोगों के मन में धार्मिक एकता का विकास कर रहा है। विश्व शान्ति एवं परस्पर भाईचारे का वातावरण निर्मित करके कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में देखा जाए तो राज-शासन और धर्म-शासन दोनों का ही मुख्य उद्देश्य जनता को सन्मार्ग पर ले जाना है। परन्तु राज-शासन के अधिनायक स्वयं मोहमाया ग्रस्त प्राणी होते हैं, अतः वे समाज सुधार के कार्य में पूर्णतया सफल नहीं हो पाते। भला, जो जिस चीज को अपने हृदयतल में से नहीं मिटा सकता, वह दूसरे हजारों हृदयों से उसे कैसे मिटा सकता है? राज-शासन की आधारशिला प्रेम, स्नेह एवं सद्भाव की भूमि पर नहीं रखी जाती है, वह रखी जाती है, प्रायः भय, आतंक और दमन की नींव पर। यही कारण है कि राज-शासन प्रजा में न्याय, नीति और शांति की रक्षा करता हुआ भी अधिक स्थायी व्यवस्था कायम नहीं कर सकता। जबकि धर्म-शासन परस्पर के प्रेम और सद्भाव पर कायम होता है, फलतः वह सत्य-पथ प्रदर्शन के द्वारा मूलतः समाज का हृदय परिवर्तन करता है और सब ओर से पापाचार को हटाकर स्थायी न्याय, नीति तथा शांति की स्थापना करता है। बुद्ध अन्ततोगत्वा इसी निर्णय पर पहुंचे कि भारत का यह दुःसाध्य रोग साधारण राजनीतिक हलचलों से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए तो सारा जीवन ही उत्सर्ग करना पड़ेगा, क्षुद्र परिवार का मोह छोड़ कर विश्व-परिवार का आदर्श अपनाना होगा। राजकीय वेशभूषा से सुसज्जित होकर साधारण जनता में घुला-मिला नहीं जा सकता। वहां तक पहुंचने के लिए तो ऐच्छिक लघुत्व स्वीकार करना होगा, अर्थात् भिक्षुत्व स्वीकार करना होगा। संन्यासी बनकर गौतम बुद्ध ने अपने आप को आत्मा और परमात्मा के निरर्थक विवादों में फँसाने की अपेक्षा समाज कल्याण की ओर अधिक ध्यान दिया। उनके उपदेश अधिकतर सामाजिक एवं सांसारिक समस्याओं तक ही सीमित रहे। यही कारण है कि उनकी बात लोगों की समझ में सहज रूप से ही आने लगी। महात्मा बुद्ध ने मध्यममार्ग अपनाते हुए अहिंसा युक्त दस शीलों का प्रचार किया तो लोगों ने उनकी बातों से स्वयं को सहज ही जुड़ा हुआ पाया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपनी तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार उन्होंने पुरोहितवाद पर करारा प्रहार किया और व्यक्ति के महत्त्व को प्रतिष्ठित किया। मानवता को बुद्ध की सबसे बड़ी देन है भेदभाव को समाप्त करना। यह एक विडम्बना ही है कि बुद्ध की इस धरती पर आज तक छूआछूत, भेदभाव किसी न किसी रूप में विद्यमान हैं। उस समय तो समाज छूआछूत के कारण अलग-अलग वर्गों में विभाजित था। बौद्ध धर्म ने सबको समान मान कर आपसी एकता की बात की तो बड़ी संख्या में लोग बौद्ध मत के अनुयायी बनने लगे। कुछ दशक पूर्व डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने भारी संख्या में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध मत को अंगीकार किया ताकि हिन्दू समाज में उन्हें बराबरी का स्थान प्राप्त हो सके। बौद्ध मत के समानता के सिद्धांत को व्यावहारिक रूप देना आज भी बहुत आवश्यक है। मूलतः बौद्ध मत हिन्दू धर्म के अनुरूप ही रहा और हिन्दू धर्म के भीतर ही रह कर महात्मा बुद्ध ने एक क्रान्तिकारी और सुधारवादी आन्दोलन चलाया। महात्मा बुद्ध सामाजिक क्रांति के शिखर पुरुष थे। उनका दर्शन अहिंसा और करुणा का ही दर्शन नहीं है बल्कि क्रांति का दर्शन है। उन्होंने केवल धर्म तीर्थ का ही प्रवर्तन नहीं किया बल्कि एक उन्नत और स्वस्थ समाज के लिए नये मूल्य-मानक गढ़े। उन्होंने प्रगतिशील विचारों को सही दिशा ही नहीं दी बल्कि उनमें आये ठहराव को तोड़कर नयी क्रांति का सूत्रपात किया। बुद्ध ने कहा- पुण्य करने में जल्दी करो, कहीं पाप पुण्य का विश्वास ही न खो दे। समाजिक क्रांति के संदर्भ में उनका जो अवदान है, उसे उजागर करना वर्तमान युग की बड़ी अपेक्षा है। ऐसा करके ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। बुद्ध ने समतामूलक समाज का उपदेश दिया। जहां राग, द्वेष होता है, वहां विषमता पनपती है। इस दृष्टि से सभी समस्याओं का उत्स है- राग और द्वेष। व्यक्ति अपने स्वार्थों कर्ा पोषण करने, अहं को प्रदर्शित करने, दूसरों को नीचा दिखाने, सत्ता और सम्पत्ति हथियाने के लिए विषमता के गलियारे में भटकता रहता है। गौतम बुद्ध ने लगभग 40 वर्ष तक घूम घूम कर अपने सिद्धांतों का प्रचार प्रसार किया। वे उन शीर्ष महात्माओं में से थे जिन्होंने अपने ही जीवन में अपने सिद्धांतों का प्रसार तेजी से होता और अपने द्वारा लगाए गए पौधे को वटवृक्ष बन कर पल्लवित होते हुए स्वयं देखा। गौतम बुद्ध ने बहुत ही सहज वाणी और सरल भाषा में अपने विचार लोगों के सामने रखे। अपने धर्म प्रचार में उन्होंने समाज के सभी वर्गों, अमीर गरीब, ऊँच नीच तथा स्त्री-पुरुष को समानता के आधार पर सम्मिलित किया।

बुद्ध ने जन-जन के बीच आने से पहले, अपने जीवन के अनुभवों को बांटने से पहले, कठोर तप करने से पहले, स्वयं को अकेला बनाया, खाली बनाया। तप तपा। जीवन का सच जाना। फिर उन्होंने कहा अपने भीतर कुछ भी ऐसा न आने दो जिससे भीतर का संसार प्रदूषित हो। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा कहो। यही खालीपन का संदेश सुख, शांति, समाधि का मार्ग है। उन्होंने अप्प दीपो भव- अपने दीपक स्वयं बनने की बात कही। क्योंकि दिन-रात संकल्पों-विकल्पों, सुख-दुख, हर्ष-विषाद से घिरे रहना, कल की चिंता में झुलसना, तनाव का भार ढोना, ऐसी स्थिति में भला मन कब कैसे खाली हो सकता है? कैसे संतुलित हो सकता है? कैसे समाधिस्थ हो सकता है? इन स्थितियों को पाने के लिए वर्तमान में जीने का अभ्यास जरूरी है। न अतीत की स्मृति और न भविष्य की चिंता। जो आज को जीना सीख लेता है, समझना चाहिए उसने मनुष्य जीवन की सार्थकता को पा लिया है और ऐसे मनुष्यों से बना समाज ही संतुलित हो सकता है, स्वस्थ हो सकता है, समतामूलक हो सकता है। जरूरत है उन्नत एवं संतुलित समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के उपदेशों को जीवन में ढालने की। बुद्ध-सी गुणात्मकता को जन-जन में स्थापित करने की।

पीवी सिंधु के समर्थन में उतरे कोच गोपीचंद, कहा उनकी फॉर्म को लेकर परेशान होने की जरुरत नहीं

कोलकाता। भारतीय शटलर और ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू की सिंगापुर ओपन में शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। गत चैंपियन पीवी सिंधू को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को कड़ी चुनौती पेश करनी पड़ी थी मगर इसके बाद भी वो टूर्नामेंट से बाहर हो गई। सिंगापुर ओपन में दमदार प्रदर्शन करने में फेल हुई पीवी सिंधू की फॉर्म को लेकर कई सवाल भी उठने लगे है। इन सभी मामलों पर भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने पीवी सिंधू का बचाव किया है। पुलेला गोपीचंद को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अनिरंतर प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। सिंधू को मंगलवार को फिर पहले दौर में हार का सामना करना

पड़ा जब वह सिंगापुर ओपन में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हारकर बाहर हो गयीं। गोपीचंद ने कहा, ''वह काफी युवा खिलाड़ी है, वह महज 26-27 साल की है। इसलिये चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए। वह अच्छा खेलना शुरु कर रही है। मुझे भविष्य में उसके अच्छे खेलने की उम्मीद है। '' रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को पिछले साल टखने में चोट लगी थी जिससे वह बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गयी थी। इस चोट के कारण वह चार महीने तक खेल से दूर रहीं। एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में तीन गेम में 21-18 19-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी। वह पिछले हफ्ते थाईलैंड ओपन के भी पहले दौर में हार गईं थी। मलेशिया मास्टर्स के रूप अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे प्रणय के पास युवा कोडाई नेरोका की चुनौती का कोई जवाब नहीं था। जापान के तीसरे वरीय खिलाड़ी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-15 21-19 से जीत दर्ज की। प्रणय इस मुकाबले में युवा कोडाई नारोका के सामने नहीं टिक सके। उन्हें 56 मिनट में कोडाई नेरोका ने मात दे दी। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी हालांकि लुकास कार्वी और रोनान लबार की जोड़ी को पहले दौर के मुकाबले में 21-16 21-15 से हराने में सफल रही।

ट्रैविस हेड के शानदार शतक से भारत पहले दिन लड़खड़ाया, आस्ट्रेलिया के तीन विकेट पर 327 रन

लंदन। ट्रेविस हेड के तेज तर्रार शतक से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण धारहीन दिखायी दिया जिससे आस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन स्टंप तक तीन विकेट पर 327 रन बनाकर शानदार शुरुआत की। रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में नहीं चुनने का फैसला फिर भारी पड़ा क्योंकि न तो उमेश यादव और न ही शार्दुल ठाकुर दमदार दिखे जिससे भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दूसरे और तीसरे सत्र में पूरी तरह बेदम दिखा। भारत ने अश्विन की जगह एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को चुना जिससे भी टीम को कोई मदद नहीं मिली क्योंकि हेड (146 रन बनाकर खेल रहे) और स्मिथ (95 रन बनाकर खेल रहे) ने चौथे विकेट लिये 370 गेंद में 251 रन की नाबाद साझेदारी से आस्ट्रेलिया को तीन विकेट पर 73 रन के स्कोर से उबारने में मदद की।

मार्नस लाबुशेन (26 रन) का विकेट 25वें ओवर में गिरा था जिसके बाद स्मिथ और हेड ने दोपहर और शाम के सत्र में बल्लेबाजी के मुफीद पिच का फायदा उठाया। अभी तक 44 चौके और एक छक्का लग चुका है जिससे भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का लचर प्रदर्शन साफ दिखता है। हेड का यह विदेशी सरजमीं पर पहला और कुल छठा शतक है। भारतीयगेंदबाजों में मोहम्मद सिराज को दूसरे दिन काफी काम करना होगा। सिराज ने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर की तरह उनमें निरंतरता की कमी दिखी। मैच के बचे हुए दिनों में अश्विन को अंतिम एकादश से बाहर रखने को लेकर बहस जारी रहेगी। पर पहले दिन गेंद इतनी टर्न नहीं ले रही थी जिससे रविंद्र जडेजा को ज्यादा फायदा नहीं हुआ जिन्होंने 14 ओवर फेंके लेकिन विकेट नहीं झटक सके।

हेड ने अपने 36 टेस्ट के करियर में चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए भारतीय तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामकता बरती जबकि इससे पहले आस्ट्रेलियाई टीम लंच के बाद लाबुशेन के आउट होने से

दबाव में आ गयी थी।

फुल लेंथ गेंद से उन्हें जरा भी परेशानी नहीं हुई। मोहम्मद शमी हालांकि सुबह के सत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी नहीं कर सकेथे लेकिन उन्होंने लंच के बाद पहली खूबसूरत गेंद पर लाबुशेन के ऑफ स्टंप उखाड़ दिये। फिर हेड क्रीज पर स्मिथ का साथ निभाने पहुंचे और उन्होंने शमी और मोहम्मद सिराज के खिलाफ चौके जड़कर दबाव भारत पर कर दिया। हेड ने ठाकुर पर डीप प्वाइंट में चौका जड़कर अपने 50 रन पूरे किये। पर अपनी पारी के दूसरे हाफ में वह काफी आक्रामक दिखे जिसमें उन्होंने शमी पर थर्ड मैन पर एक छक्का जड़ा। दूसरे छोर पर संयमित बल्लेबाजी कर रहे स्मिथ् का 'द ओवल' पर औसत 100 के करीब है और वह इस स्टेडियम में अपने इस शानदार रिकॉर्ड को बेहतर करने की ओर बढ़ रहे हैं।

आस्ट्रेलिया के इस बल्लेबाज ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ कुछ बेहतरीन शॉट खेले और जडेजा की बायें हाथ की स्पिन के खिलाफ अपने पैर का बखूबी इस्तेमाल किया। भारत ने 80वें ओवर में नयी गेंद ली लेकिन शमी और सिराज कोई विकेट नहीं झटक सके।

आस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र में 28 ओवर में 97 रन जुटाये। इससे पहले सिराज ने शुरुआती स्पैल में विकेट झटक लिया और ठाकुर ने क्रीज पर जमे डेविड वॉर्नर को आउट किया जिससे आस्ट्रेलिया लंच तक 73 रन पर दो विकेट गंवा दिये। 'द ओवल' पर पहले घंटे चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने के बाद वॉर्नर (60 गेंद में 43 रन) और लाबुशेन पहले सत्र को खत्म करते हुए दिख रहे थे। लेकिन ठाकुर ने बायें हाथ के सलामी बल्लेबाज को पसली तक निशाना बनाती अपनी शार्ट गेंद से आउट कर दिया। विकेटकीपर केएस भरत ने लेग साइड पर अच्छा कैच लपका। भारत ने उम्मीद के अनुरूप घसियाली पिच और बादलों भरे मौसम में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। सिराज और शमी ने पहले घंटे आस्ट्रेलिया पर लगाम कसे रखी जिन्होंने छह छह ओवर में मिलकर केवल 29 रन दिये। सिराज को शमी की तुलना में पिच से ज्यादा मदद मिली।

उस्मान ख्वाजा (10 गेंद में शून्य) का इंग्लैंड में रिकॉर्ड सामान्य है, उन्होंने दौरे की निराशाजनक शुरुआत की और सिराज की स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर स्टंप के पीछे कैच देकर पवेलियन लौट गये। आगामी एशेज के लिए अंतिम एकादश में अपना स्थान पक्का करने की कोशिश में जुटे वॉर्नर ने खराब गेंदों का फायदा उठाया। वॉर्नर ने 15वें ओवर में उमेश यादव पर चार चौके जड़े। लाबुशेन को शुरुआत में काफी मुश्किल हुई और सिराज की तेज गेंद उनके बायें अंगूठे में लग गयी। फिर वह सत्र के अंत में ठाकुर की गेंदबाजी में पगबाधा के दो करीबी डीआरएस फैसलों में बचे। आस्ट्रेलियाई टीम सत्र में और विकेट नहीं गंवाना चाहती थी लेकिन वॉर्नर ठाकुर की बाहर की ओर कोण लेती गेंद को पुल करने की कोशिश में विकेटकीपर को कैच दे बैठे। भरत ने डाइव करते हुए यह कैच लपका।

क्यो नहीं जारी हो पा रहा वर्ल्ड कप का शेड्यूल, सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 का आयोजन भारत में होना है। इसके लिए तैयारियां भी की जा रही हैं। हालांकि, अब तक इसका शेड्यूल

जारी नहीं हुआ है। इस सब के बीच इसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रमुख ज्योफ एलार्डिस ने खुलासा किया कि आईसीसी जल्द से जल्द एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए शेड्यूल प्रकाशित करेगा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्हें अभी तक मेजबान देश भारत से शेड्यूल प्राप्त नहीं हुआ है।

माना जा रहा है कि पाकिस्तान की वजह से इसमें देरी हो रही है। पाकिस्तान के साथ अभी एशिया कप को लेकर विवाद चल रहा है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने पहले पुष्टि की थी कि शेड्यूल जारी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (7 जून से 11 जून) के दौरान जारी किया जाएगा। लेकिन अब एलार्डिस का बयान एक बार फिर से देरी का संकेत दे रहा है। भारत इस साल अक्टूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप की मेजबानी करेगा, लेकिन कार्यक्रम और स्थानों पर अभी तक कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आया है।

घ्ण्ण ने पिछले दो 50-ओवर के विश्व कप टूर्नामेंट (2015 और 2019) के शेड्यूल को एक वर्ष से अधिक समय पहले प्रकाशित किया। हालांकि, एलार्डिस ने जोर देकर कहा कि कार्यक्रम की घोषणा करने और एक सफल आयोजन देने से पहले उन्हें भाग लेने वाली टीमों और प्रसारकों से परामर्श करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज (बुधवार) भी हम मेजबान से कार्यक्रम प्राप्त कर रहे होंगे, और हमें सभी भाग लेने वाली टीमों और प्रसारकों के साथ परामर्श करने के लिए थोड़ा सा परामर्श मिला है। फिर हम इसे जल्द से जल्द प्रकाशित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें मेजबान के साथ मिलकर काम करना होता हैं।

अश्विन को बाहर करने के भारत के फैसले की आलोचना की हेडन और रिकी पोंटिंग ने

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ियों मैथ्यू हेडन और रिकी पोंटिंग ने स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतिम एकादश में शामिल नहीं करने के भारत के फैसले की कड़ी आलोचना की। टेस्ट क्रिकेट में नंबर एक गेंदबाज और डब्ल्यूटीसी के 2021-23 चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले अश्विन को भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में खेले जा रहे फाइनल में अंतिम एकादश में जगह नहीं दी और इसकी बजाय चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया।

हेडन ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आईसीसी से कहा,'' मेरा मानना है कि रविचंद्रन अश्विन महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। वह डब्ल्यूटीसी के इस चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है लेकिन वह टीम में नहीं है। भारत के परिप्रेक्ष्य में यह फैसला विचारणीय है।'' अश्विन की अनुपस्थिति में

भारतीय एकादश में रविंद्र जडेजा एकमात्र स्पिनर है लेकिन पहले दिन वह विकेट नहीं ले पाए। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड (नाबाद 146) और स्टीव स्मिथ (नाबाद 95) के बीच चौथे विकेट के लिए 251 रन की अटूट साझेदारी की मदद से पहले दिन तीन विकेट पर 327 रन बनाए।

विश्व कप विजेता कप्तान पोंटिंग ने अश्विन को बाहर करने के फैसले को गलती करार दिया। उन्होंने कहा ,''अभी तक के हिसाब से ऐसा लग रहा है कि चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरना गलती थी,लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ देखते हैं कि क्या होता है।'' पोंटिंग ने कहा,'' इसमें कोई संदेह नहीं खेल आगे बढ़ने के साथ पिच से टर्न मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं जिनके खिलाफ अश्विन बेहतर गेंदबाज साबित होते। '' अश्विन टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ काफी सफल रहे हैं।

क्षेत्ररक्षण का फैसला करके भारत ने सकारात्मक मानसिकता नहीं दिखाईः शास्त्री

लंदन। भारत के रक्षात्मक रवैए से निराश पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करके सकारात्मक मानसिकता नहीं दिखाई। भारत ने अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में जगह नहीं दी और चार

तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का फैसला किया। पिच पर घास होने और बादल छाए रहने के कारण भारत ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। उसका यह फैसला सही साबित नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड (नाबाद 146) और स्टीव स्मिथ (नाबाद 95) के बीच चौथे विकेट के लिए 251 रन की अटूट साझेदारी की मदद से पहले दिन तीन विकेट पर 327 रन बनाए। शास्त्री ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आईसीसी से कहा,'' पहले दिन जो हुआ वह टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने की मानसिकता से जुड़ा हुआ है। इसलिए आप चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ उतरे।'' उन्होंने कहा,'' अगर मानसिकता सकारात्मक होती तो आप पहले बल्लेबाजी का फैसला करते। पहला सत्र संभल कर खेलते और फिर देखते कि क्या आप दिन में 250 रन तक पहुंच सकते हो। बहुत बड़े स्कोर के बारे में नहीं सोचते और अगर परिस्थितियां बेहतर होती और पहला सत्र अच्छा निकल जाता तो आप इससे भी बड़ा स्कोर बना सकते थे।

टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करना चाहता है अमेरिका

बेंगलुरू। अमेरिका क्रिकेट (यूएसएसी) ने बुधवार को कहा कि देश में उचित क्रिकेट बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़ी चिंताओं के कारण उनसे टी20 विश्व कप 2024 की मेजबानी नहीं छीनी जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के सफल आयोजन से सभी संदेह दूर हो जाएंगे। इस तरह की खबरें हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस शीर्ष टूर्नामेंट को वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी की जगह अगले साल इंग्लैंड में स्थानांतरित कर सकता है।

यूएसएसी के एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि उन्हें वैश्विक संस्था से स्थल स्थानांतरित करने को लेकर कोई सूचना नहीं मिली है। अमेरिका क्रिकेट के एक प्रशासक ने पीटीआई से कहा, ''इस संबंध में हमारी आईसीसी के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है। एक साल बाद होने वाले टी20 विश्व कप के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।'' अधिकारी ने कहा, ''अस्थाई आयोजन स्थल

आदि को लेकर चिंता स्वाभाविक है क्योंकि अमेरिका नियमित रूप से क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी नहीं करता लेकिन हम मेजर लीग क्रिकेट का आयोजन करने वाले हैं और इस टी20 टूर्नामेंट की सफल मेजबानी काफी चिंताओं को दूर कर देगी।''

पहला एमएलसी टी20 टूर्नामेंट 13 से 30 जुलाई तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में छह टीम हिस्सा लेंगी और इसके मुकाबले टेक्सास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में होंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय, ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा, मैथ्यू वेड, मार्कस स्टोइनिस और मोइजेस हेनरिक्स सहित दुनिया भर के कई बड़े क्रिकेटरों ने एमएलसी टी20 से करार किया है। आईसीसी ने भी हालांकि वेस्टइंडीज और अमेरिका से टी20 विश्व कप को स्थानांतरित करने की खबरों को अधिक तवज्जो नहीं दी। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने पीटीआई से कहा, ''टी20 विश्व कप 2024 को वेस्टइंडीज और अमेरिका से स्थानांतरित करने को लेकर आईसीसी के किसी भी मंच पर कोई चर्चा नहीं हुई।'' अधिकारी ने कहा, ''इसका (टूर्नामेंट) पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन होगा और जल्द ही आयोजन स्थलों को लेकर घोषणा की जाएगी।''

भारतीय क्रिकेट टीम ने फ्लोरिडा के लॉडरहिल के सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आईसीसी की स्थल निरीक्षण टीम ने प्रतियोगिता के संभावित स्थल के रूप में ओकलैंड, फ्लोरिडा और लॉस एंजिलिस जैसे शहरों का दौरा किया है। माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले का आयोजन वेस्टइंडीज की जगह अमेरिका में किया जाएगा क्योंकि यहां दोनों टीमों के काफी समर्थक हैं। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आईसीसी टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक होता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि के जातकों के लिए आज दिन भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप आस्था और विश्वास से आगे बढ़ेंगे। दीर्घकालीन योजनाएं सफल रहेंगी। राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आज सावधानी बरतनी होगी। जनकल्याण के कार्यों से जुड़कर आप अच्छा नाम कामाएंगे। आपको धर्म व अध्यात्म के कार्य से जुड़कर नाम कमाने का मौका मिलेगा। आप कुछ अवरोधों से दूर रहें और किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचे। यदि घर परिवार में कोई बात विवाद चल रहा है तो उसे घर से बाहर ना जाने दे।

वृषभ राशिः आज का दिन आपके लिए दिन अकस्मात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आप कामों में लापरवाही करने से बचे और परिजनों की सीख व सलाह पर चलकर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको अचानक धन लाभ मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। लेनदेन के मामलो में आप सावधानी बरतें। व्यापार कर रहे लोगों के लिए आज दिन सामान्य रहने वाला है। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है जिसके बाद जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकती हैं। किसी काम के बारे मीन सलाह लेनी है तो आप माता-पिता से पूछ कर करें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन लेकर आने वाला है। ससुराल पक्ष से आपको मान सम्मान मिलता दिख रहा है। टीमवर्क के जरिए काम करके आप किसी काम को समय से पहले पूरा करके देंगे। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलेगा। करियर को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। मेहनत व लगन से काम करके आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। व्यापार के मामलों में यदि आपने ढील बरती तो वह लिए कोई समस्या बन सकती है। आपका कोई मित्र आपके लिए कोई खुशखबरी लेकर आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट के कारण आपको भागदौड़ अधिक करनी होगी। आपके विरोधी भी सक्रिय रहेंगे, जिनसे आपको सावधान रहना होगा। किसी परिवार के सदस्यों से आप कोई वादा ना करें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपने किसी नए व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें माता-पिता के आशीर्वाद से आपका काम अच्छा चलेगा। आप अपने आवश्यक कामों में बदलाव ना करें, नहीं तो वह लंबे अटक सकते हैं। आपकी कला कौशल में भी सुधार आएगा और सभी के साथ समन्वय की भावना बनाए रखें। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। विद्यार्थी को अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा, तभी वह किसी परीक्षा में जीत हासिल कर सकते हैं।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आप कार्यक्षेत्र में छोटो की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करेंगे। पारिवारिक मामलों में आप धैर्य दिखाएं। आपको स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के साथी की सेहत में गिरावट के कारण समस्या होगी। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्याग कर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। यदि आपको कोई जरूरी जानकारी मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाए। करीबियों की भावनाओं का सम्मान करें नहीं तो कोई वाद विवाद खड़ा हो सकता है। आपको किसी काम के सिलसिले में छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा। कामकाज की तलाश कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलता दिख रहा है।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। धन-धान्य में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। आपको जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिल सकता है। आपके घर किसी मेहमान का आगमन होने से धन खर्च बढ़ेगा, लेकिन आप उससे घबराए नहीं। परिवार का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। संतान के लिए कोई विवाह प्रस्ताव आ सकता है, जिसे परिवार के सदस्य द्वारा भी तुरंत मंजूरी दी जा सकती है। आप किसी की बातों में आकर कोई निर्णय ना लें, नहीं तो समस्या हो सकती है।

धनु राशिः आज के दिन आप संस्कारों व परंपराओ पर पूरा जोर देंगे। व्यापार के लिए आप कुछ योजनाएं बनाएंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी मिल सकती है। आपकी नई कोशिशें आज रंग लाएगी और आपको एक से अधिक स्त्रोतों से आय प्राप्त होगी। आप जिम्मेदारी से कार्य करें अन्यथा बाद में आपको समस्या हो सकती है।

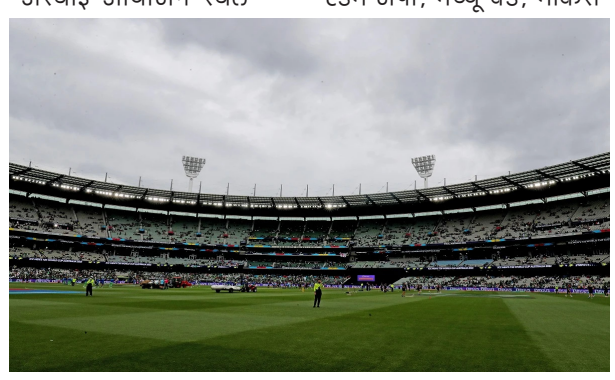

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खर्च भरा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आप सावधानी बरतें। किसी कानूनी मामले में आप बाहारी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें। आपको अपने परिजनों व रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी आय और व्यय के लिए एक बजट बना कर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। जल्दबाजी में आप कोई काम ना करें नहीं तो समस्या होगी। लेनदेन के मामले में आप सावधान रहें।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए धन संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। आप सभी का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। आपने कारोबार में यदि किसी काम को उत्साहित होकर किया, तो उसमें आप आपसे कोई गलती हो सकती है। आपके प्रभाव व प्रताप में आज वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में आप आंख-कान खुले रखकर ही कोई काम करें। व्यापार में आपको तेजी देखने को मिलेगी और आपके कुछ रुके हुए कार्यों को गति मिलने से आपको खुशी होगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके अंदर बना रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको सभी का सहयोग आसानी से मिलेगा। यदि आपका कोई पैतृक संपत्ति संबंधित कार्य लंबे समय से लटका हुआ है, तो वह पूरा हो सकता है। व्यापार में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। संतान के करियर को लेकर चल रही समस्या दूर होगी। आप किसी वरिष्ठ सदस्य से अहंकार भरी बातें ना करें। विभिन्न कार्य में आप आगे बढ़ेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। किसी बड़ी मुश्किल से आप आसानी से बाहर निकल सकते हैं।

सम्पादकीय

यह कैसा प्रेम

दिल्ली के रोहिणी इलाके में रविवार को हुई एक टीनेज लड़की की हत्या कई वजहों से विचलित करती है। जिस तरह से 20 साल के एक युवक ने 16 साल की लड़की को दिन-दहाड़े सड़क के किनारे चाकुओं से गोद डाला और फिर एक बड़ा सा पत्थर उठाकर उससे बार-बार लड़की के सिर पर वार किया, वह स्तब्ध कर देता है। यह पूरी घटना अगर सीसीटीवी के कैमरे में कैद नहीं हुई होती तो भी इसका विवरण बेचैन कर सकता था, लेकिन टीवी पर प्रसारित इस घटना के फुटेज ने आम देशवासियों के दिलो-दिमाग पर इसके असर को कई गुना बढ़ दिया है। शुरुआती ब्योरे बताते हैं कि लड़का और लड़की पिछले दो साल से रिश्ते में थे और कुछ दिनों से उनमें खटपट बढ़ गई थी। लड़की अब लड़के से दूरी बनाने की कोशिश कर रही थी, जिसे लड़का बर्दाश्त नहीं कर पाया। कथित प्रेम संबंधों की ऐसी परिणति कई मामलों में देखने को मिल रही है। कुछ समय पहले ही दिल्ली में श्रद्धा मर्डर केस चर्चित हुआ था, जिसमें लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर हत्या करने के बाद लाश के 35 टुकड़े किए और फिर एक-एक कर ये टुकड़े जंगल में फेंक दिए। ऐसी और भी घटनाएं देश के अलग-अलग हिस्सों से सुनने को मिली हैं। ताजा मामले का जो पहलू खास तौर पर ध्यान खींच रहा है वह है दोनों की कम उम्र। 14 और 18 साल की उम्र में शुरू हुआ यह कथित प्रेम संबंध अलगाव की एक आंच नहीं झेल पाया। पिछले कुछ समय से समाज में आ रहा खुलापन जहां लड़कियों को स्वतंत्र फैसले लेने की ओर ले जा रहा है वहीं लड़कों की अपेक्षाएं अभी भी पुराने पुरुषवादी आग्रहों से ग्रसित नजर आती हैं। निश्चित रूप से इसके अपवाद भी हैं, लेकिन समाज के एक बड़े हिस्से में चेतना का यह असंतुलन खतरनाक टकराव की स्थिति पैदा कर रहा है। इसी घटना का एक और अहम पहलू है शहरी मध्यवर्गीय जीवन में घर करती जा रही उदासीनता। सीसीटीवी फुटेज दिखाता है कि सड़क के किनारे एक 16 साल की लड़की पर हो रहे इस बर्बर हमले के दौरान कई लोग वहां से गुजरे, कुछ तो दो-चार सेकंड के लिए ठिठके भी, लेकिन किसी ने भी युवक को रोकने की या तत्काल पुलिस बुलाकर या शोर मचाकर लड़की को बचाने की कोशिश नहीं की। बल्कि, कॉलोनी के लोगों ने भी अपनी खिड़कियां बंद कर लीं। यह कोई नया परिदृश्य नहीं है। दिल्ली ही नहीं, तमाम महानगरों में सड़क दुर्घटनाओं के दौरान या इस तरह की घटनाओं में ऐसी उदासीन प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। पुलिस-प्रशासन की साख का सवाल तो है ही, घटना से जुड़े अन्य पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं। नीति-निर्माताओं और समाज के जिम्मेदार तबकों को घटना के तमाम पहलुओं को संज्ञान में लेने और सुधारात्मक कदमों पर गौर करने की जरूरत है।

रेल बजट का आम बजट में विलय होने से रेलवे की सेहत पर खास फर्क नहीं पड़ा है

ओडिशा के बालासोर में 2 जून की शाम को हुए भीषण ट्रेन हादसे में करीब तीन सौ लोग मारे गए हैं और एक हजार से भी ज्यादा घायल हुए हैं। इस हादसे में कोलकाता से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी और इसी बीच यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस वहां आ गई और कोरोमंडल से टकरा कर पलट गई। इस टक्कर के बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हो गई, जिसमें ट्रेन का इंजन बोगी के ऊपर चढ़ गया। बालासोर के पास बाहानगा बाजार स्टेशन के नजदीक हुए हादसे में पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी और यह ट्रेन दूसरी तरफ से आ रही यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से टकरा गई, जिसके बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतरे और उसी दौरान कोरोमंडल एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से जा टकराई। यह रेल हादसा कितना भयानक था, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि रेल की पटरी सीधे ट्रेन के फर्श को चीरते हुए अंदर घुस गई और बोगी के आर-पार हो गई। भारत में आजादी के बाद हुए घातक ट्रेन हादसों में यह हादसा अत्यधिक भीषण हादसा है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दुर्घटनास्थल पर किसी का हाथ कटा पड़ा था तो किसी का पैर, किसी का सिर तो किसी का धड़। रेल सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण पूर्व सर्किल) ए.एम. चौधरी को इस रेल दुर्घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि प्रारंभिक संकेतों के अनुसार इस दुर्घटना के पीछे मानवीय चूक मानी जा रही है।

कहा जा रहा है कि देश में 16 महीने बाद कोई ऐसा रेल हादसा हुआ है, जिसमें लोगों की जान गई है। इससे पहले 14 जनवरी 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दोमोहानी के पास हुए हादसे में 9 लोगों की जान चली गई थी। तब बीकानेर से गुवाहाटी जा रही बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस की 12 बोगियां पटरी से उतर गई थी। हादसे के समय ट्रेन की गति कम थी, अन्यथा रेल तंत्र की लापरवाही के कारण वह दुर्घटना बहुत बड़ी हो सकती थी। उस समय कहा गया था कि वह हादसा 34 महीने बाद हुआ था। हालांकि वास्तव में ऐसा है नहीं, रेल हादसे निरन्तर होते रहे हैं और लोग ऐसे हादसों की बलि चढ़ते रहे हैं। इसी साल 2 जनवरी को राजस्थान में पाली

के नजदीक बांद्रा-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस के 13 डिब्बे बेपटरी हो गए थे, उस हादसे में 26 यात्री घायल हुए थे। 22 अप्रैल 2021 को लखनऊ-चण्डीगढ़ एक्सप्रेस ने बरेली-शाहजहांपुर के पास क्रॉसिंग पर कुछ वाहनों को टक्कर मार दी थी, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 3 फरवरी 2019 को जोगबनी से दिल्ली जा रही सीमांचल एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरने से सात से अधिक यात्रियों की मौत हुई थी। ऐसे हादसों में हर बार हताहतों की चीखें खोखले रेल तंत्र की कमियों को उजागर करते हुए समूचे रेल तंत्र को कटघरे में खड़ा करती रही हैं लेकिन उसके बावजूद रेल हादसों पर लगाम नहीं कसी जा रही।

भारत का रेल तंत्र दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक उपक्रमों में से एक है, जिसे आमजन के लिए जीवनदायी माना जाता है। भले ही देश में हवाई मार्ग और सड़क मार्गों का कितना भी विस्तार हो जाए, फिर भी देश की बहुत बड़ी आबादी यातायात के मामले में रेल नेटवर्क पर ही निर्भर है। रेलों के जरिये प्रतिदिन न केवल करोड़ों लोग यात्रा करते हैं बल्कि यह माल ढुलाई का भी सबसे बड़ा साधन है। इसके बावजूद इस विशालकाय तंत्र को चुस्त-दुरुस्त और सुरक्षित बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता और प्रायः इसी कारण रेल हादसे होते रहे हैं। इतने विशाल तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए रेलवे को प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जरूरत होती है लेकिन विशेषज्ञ इसके आवंटन को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा रेल तंत्र को मजबूत करने और आधुनिक जामा पहनाने के उद्देश्य से रेल बजट का आम बजट में ही विलय कर दिया गया था लेकिन अभी तक उससे भी कुछ खास हासिल होता नहीं दिखा। प्रतिवर्ष बजट पेश करते समय रेल पटरियों के सुधार, सुरक्षा उपकरणों को पुख्ता करने तथा रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के दावे किए जाते हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि फिर भी रेल हादसों पर लगाम क्यों नहीं लग रही? एक तरफ हम देश में बुलेट ट्रेनें चलाने का दम भरते हैं लेकिन दूसरी ओर पहले से मौजूद विस्तृत रेल तंत्र की अव्यवस्थाओं को दूर करने में कोई विशेष दिलचस्पी नहीं दिखाते।

बहरहाल बार-बार होते रेल हादसों की बहुत लंबी फेहरिस्त है लेकिन चिंता की बात यही है कि ऐसे हर हादसे की जांच के लिए एक समिति का गठन होता है और फिर अगले हादसे के इंतजार में उस हादसे को भुला दिया जाता है। अभी तक हुए ऐसे तमाम हादसों की जांच का क्या निष्कर्ष निकला, कोई नहीं जानता। लालफीताशाही के चलते हादसों के बाद की जांच समितियों की सिफारिशों को ईमानदारी से लागू नहीं किया जाता। जब तक ऐसे हादसों की जांच के बाद सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले असल दोषियों की पहचान कर उन्हें दंडित करने के लिए कड़े कदम नहीं उठाए जाते, ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेगी और हम ऐसी दुर्घटनाओं पर इसी प्रकार केवल शोक व्यक्त करते हुए संवेदना प्रकट करते रहेंगे।

ऑनलाइन गेमों का फैलता जाल बच्चों के साथ ही महिलाओं को भी चपेट में ले रहा है

ऑनलाइन गेमिंग के प्रति बढ़ता शौक बेहद गंभीर होने के साथ ही अत्यंत चिंतनीय भी है। वैसे तो ऑनलाइन गेमिंग की ग्रोथ रेट यानी कि इसके प्रति लोगों का रुझान 12 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है। ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है। नित नए गेम मार्केट में आ रहे हैं तो दिन प्रतिदिन नए लोगों में इन गेमों की लत पड़ती जा रही है। बच्चे तो बच्चे अब तो महिलाएं भी पीछे नहीं हैं और लुमिकाई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन गेमिंग में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ते-बढ़ते 43 फीसदी का आंकड़ा छू गई हैं। दरअसल ऑनलाइन गेमिंग से जहां बुद्धि कौशल विकास के फायदे बताए जा रहे हैं वहीं नुकसानों की गिनती की जाए तो वह कहीं ज्यादा है। यहां तक कि गेमिंग के चक्कर में कई बच्चे और युवा जिंदगी तक दांव पर लगा रहे हैं। यह वास्तव में चिंतनीय और गंभीर हो जाता है।

दरअसल 60 के दशक में जब रुडोल्फ हेनरिक बेयर ने ऑनलाइन गेमिंग की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पहला गेम बनाया होगा तब शायद ही यह बात उनके जेहन में आई होगी कि कुछ ही समय में यह गेमिंग का सिलसिला इतना लोकप्रिय हो जाएगा कि पूरी तरह से बिजनेस का आकार ले लेगा। देखा जाए तो ऑनलाइन गेमिंग की सहज उपलब्धता ने भी इसे लोकप्रिय बना दिया। गेम कंसोल की बात करें तो प्लेस्टेशन, एक्सबॉक्स, निंटेंडो, पीसी, लेपटॉप, मोबाइल आदि में सहजता से खेलने की सुविधा होने से गेमों के प्रति लोगों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। जानकारों का मानना है कि ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में आज कुछ सौ या हजार नहीं अपितु 8 लाख 31 हजार गेम प्रचलन में बताए जा रहे हैं।

इसके अलावा, ऑनलाइन गेमिंग से अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। चिंता का विषय यह है कि अब तक ऑनलाइन गेमिंग के जाल में बच्चे और युवाओं को ही पिसते हुए देखा जा रहा था पर जिस तरह से महिलाएं भी इस जंजाल में आती जा रही हैं वह और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है। यदि हमारे देश की ही बात

करें तो देश में करीब 50 करोड़ लोग इसकी जद में आ गए हैं। इनमें जहां 55 फीसदी पुरुष हैं तो महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ते बढ़ते 43 फीसदी हो गई है और केवल 2 प्रतिशत लोग ही अन्य हैं। हो सकता है यह अतिश्योक्ति पूर्ण आंकड़ा हो कि गत साल में महिलाओं की हिस्सेदारी दो गुनी रफ्तार से बढ़ी है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रफ्तार रही तेज ही है। दिक्कत यह है कि भले ही कुछ गेम मानसिक तनाव को कम करने या बुद्धि कौशल बढ़ाने में सहायक हों पर बहुत से गेम ऐसे भी हैं जो संवेदनशील बच्चों-युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। कुछ गेम पूरी तरह से गैंबलिंग पर आधारित हैं और जानकारों की मानें तो इस तरह के गेमों में ठगी और छलावा भी तेजी से हो रहा है। एक तरह से इस तरह के गेम जुआ या लॉटरी जैसे ही हैं और ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जिसमें गेम जीतने वालों को विजेता स्वरूप जो राशि मिलने का सपना दिखाया जाता है वह मिलता ही नहीं और जीतने के बाद भी लोग अपने को ठगा महसूस करते हैं। कुछ गेमों में टास्क दर टास्क इस कदर हावी हो जाता है कि गेम खेलने वाले सब कुछ भूल कर उसी में खो जाते हैं। यहां तक कि ऐसे मामलों में मौत को गले लगाने के समाचार भी आम हैं।

ऑनलाइन गेमिंग में महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी को लैंगिक असमानता के रूप में नहीं देखते हुए इससे होने वाले नुकसान या दुष्प्रभाव के आइने में देखना होगा। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि बहुत सारे इस तरह के गेम भी बाजार में आ रहे हैं जो मन पर विपरीत प्रभाव डालते हुए मनोदशा को प्रभावित करते हैं। यहां तक कि आक्रोश, हिंसा, कुंठा, संवेदनहीनता और क्रूरता जैसी भावनाएं बढ़ाते हैं। देखा जाए तो यह एक तरह का नशा है और इस तरह का नशा कहीं ना कहीं मनोदशा को बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कुछ गेम रिलेक्स कराने या बुद्धि कौशल बढ़ाने में सहायक हैं पर हिंसा, जुआ, तनाव बढ़ाने वाले टास्क आदि से जुड़े गेमों पर विचार किया जाना आवश्यक हो जाता है। देखा जाए तो जिस तरह से फिल्में आदि जूरी की जांच से गुजरती हैं ठीक उसी तरह से गेम को बाजार में आने से पहले उसके प्रभाव को देखा जाना चाहिए। इसके लिए नियामक संस्था होनी चाहिए जो उसके गुणावगुण को देख कर सर्टिफिकेट जारी कर सके। इसी तरह से ईनाम पर आधारित गेमों और उनको संचालित करने वाली संस्था पर भी नजर रखने वाली संस्था होनी चाहिए ताकि लोगों को ठगी से बचाया जा सके। दरअसल गेम बाजार में उतरे, उससे पहले नियामक संस्था को उसे जांचना परखना चाहिए ताकि उससे होने वाले संभावित दुष्प्रभाव से रोका जा सके। अब यह अतिआवश्यक हो गया है। अन्यथा जिस तरह से ग्रोथ देखी जा रही है उस गति से इसके दुष्प्रभाव की ग्रोथ भी अच्छी खासी देखने को मिलेगी।

हर-हर गंगे, नमामि गंगे...मोदी ने इस तरह बदल दी जीवनदायिनी माँ गंगा की दशा

भारतीय संस्कृति में गंगा को मां का दर्जा दिया गया है। एक ऐसी मां, जो अपने बच्चों का भरपूर ख्याल रखती है। लेकिन, अगर मां ही स्वस्थ नहीं होगी, तो वह अपने बच्चों का ध्यान कैसे रख पाएगी। जीवनदायिनी मां गंगा के बिगड़ते स्वास्थ्य में, सबसे ज्यादा उसकी संतानों यानि हम इंसानों का ही सबसे बड़ा हाथ रहा है। हम अपने लालच और लापरवाही के चलते लगातार उसकी उपेक्षा करते गए और उसकी हालत बिगड़ती गई।

लेकिन, 2014 में केंद्र में एक नई और सबसे मजबूत सरकार का गठन, सबको वर देने वाली मां गंगा के लिए स्वयं जैसे काशीपति भगवान शिव के वरदान की तरह रहा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से चुने जाने के तुरंत बाद, वाराणसी जाकर गंगा को प्रणाम करते हुए कहा, 'मां गंगा की सेवा करना मेरी नियति हैष्ठ' और मां गंगा को उनका खोया गौरव एवं मूल स्वरूप वापस लौटाने का संकल्प लिया। इसी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री ने कुछ समय बाद फिर दोहराया। 2014 में, न्यूयॉर्क में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने उन्हें गंगा नदी के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताते हुए कहा था कि देश की 40इ आबादी गंगा नदी पर निर्भर है। अगर हम इसे साफ करने में सक्षम हो गए तो यह इस आबादी के लिए एक बड़ी मदद साबित होगी। अतः गंगा की सफाई एक आर्थिक एजेंडा भी है।

प्रधानमंत्री जी का यह संकल्प 2014 में ही साकार होना शुरू हो गया, 'नमामि गंगे' नामक एक एकीकृत गंगा संरक्षण कार्यक्रम के रूप में। गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य के साथ आरंभ होने वाले इस कार्यक्रम के लिए अगले पांच सालों के लिए निर्धारित बजट को चार गुना बढ़ाकर बीस हजार करोड़ रुपये कर दिया गया, ताकि इसमें किसी प्रकार की रुकावट न आए। सौ प्रतिशत केंद्रीय भागीदारी वाली इस कार्ययोजना को केंद्रीय मंत्रीमंडल ने भी अपनी मंजूरी दे दी।

जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा फ्लैगशिप कार्यक्रम के रूप में अनुमोदित 'नमामि गंगे' कार्यक्रम जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग तथा जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित है। इसका क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) और इसके राज्य कार्यक्रम प्रबंधन समूहों द्वारा किया जाता है। एनएमसीजी माननीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय गंगा परिषद की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है, जिसका गठन गंगा नदी के कायाकल्प, संरक्षण और प्रबंधन के उद्देश्य से किया गया था। इसके प्रमुख लक्ष्यों में मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को पूर्व अवस्था में लाना और सीवेज के प्रवाह की जांच के लिये रिवरफ्रंट के निकास बिंदुओं पर प्रदूषण को रोकने हेतु तत्काल अल्पकालिक कदम उठाना, सतही प्रवाह और भूजल को बढ़ाना व बनाए रखना, प्राकृतिक मौसम परिवर्तन में बदलाव के बिना जल प्रवाह की निरंतरता बनाए रखना, क्षेत्र की प्राकृतिक वनस्पतियों को पुनर्जीवन और उनका रखरखाव, गंगा नदी बेसिन की जलीय जैव विविधता के साथ-साथ तटवर्ती जैव विविधता का संरक्षण व उन्हें पुनर्जीवित करना और इस सब को हासिल करने के लिए नदी के संरक्षण, कायाकल्प और प्रबंधन की प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल हैं। इस दिशा में गंगा की सफाई, अपशिष्ट उपचार संयंत्रों की स्थापना तथा नदी की जैविक विविधता के संरक्षण के लिये वर्ष 2014 में लिए स्वच्छ गंगा कोष का गठन किया गया था। भौगोलिक दृष्टि से बहु-क्षेत्रीय और स्वभाव में बहु-आयामी गंगा संरक्षण की चुनौती से निपटने में बहुत से लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि कार्ययोजना की तैयारी एवं इस पर अमल में सभी की सहभागिता हो और विभिन्न मंत्रालयों के बीच और केंद्र और राज्य में अच्छा समन्वय हो, ताकि हर स्तर पर निगरानी तंत्र को बेहतर बनाया जा सके। इसके लिए देश में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए हैं, जिनमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, रेल मंत्रालय, नौवहन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, युवा मामले मंत्रालय और खेल, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय व कृषि मंत्रालय आदि शामिल हैं।

परस्पर समन्वय और सामंजस्य के इसी विचार को सार्थक करते हुए भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय गंगा के किनारे वाले क्षेत्रों में पर्यटन सर्किट के विकास के लिये एक विस्तृत और दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा है, तो कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय गंगा के तटवर्ती इलाकों में ऑर्गेनिक फार्मिंग और नेचुरल फार्मिंग कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में प्रयास कर रहा है और जल उपयोग दक्षता में सुधार के साथ पर्यावरण हितैषी कृषि को बढ़ावा दे रहा है। इनके अलावा आवासन एवं शहरी मामले मंत्रालय स्वच्छ भारत मिशन 2.0 और अमृत 2.0 (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन) के अंतर्गत शहरी नालों की मैपिंग तथा गंगा शहरों में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी प्रकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भी गंगा बेल्ट में वनीकरण गतिविधियों और 'प्रोजेक्ट डॉल्फिन' को बढ़ावा देने की एक व्यापक योजना पर काम कर रहा है। समन्वय और सहभागिता को आगे बढ़ाते हुए इस कार्यक्रम में युवाओं और जनता को साथ लेकर गंगा नदी के संरक्षण और प्रदूषण मुक्ति की दिशा में योगदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए परियोजना के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों के संपादन के लिए प्रशिक्षित और अत्यधिक प्रेरित स्थानीय युवाओं का कैडर विकसित करना, गंगा नदी के संरक्षण और इसके प्रदूषण को रोकने के लिए स्थानीय ग्रामीणों व युवाओं का सहयोग हासिल करना और इसका लाभ उठाना, परियोजना के विभिन्न स्तरों पर समर्थन, मार्गदर्शन, पारदर्शिता, निगरानी और ऑडिट के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना, गंगा के प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता का प्रसार करना और संबंधित व्यक्तियों को इसे कम करने के तरीकों के बारे में शिक्षित करना, स्वच्छ गंगा के लिए जनसुविधाओं की उपलब्धता, जल संचयन, संरक्षण आदि से संबंधित सरकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना जैसे उपायों को अपनाया जा रहा है। कार्यक्रम को क्रियान्वयन की दृष्टि से तीन प्रकार की गतिविधियों में बांटा गया है। एक, ऐसी आरंभिक गतिविधियां, जिन्हें तुरंत लागू किया जा सके। दूसरी, ऐसी गतिविधियां, जिन्हें पांच सालों के भीतर लागू किया जाना है और तीसरी ऐसी गतिविधियां, जिन्हें दस साल के भीतर लागू किया जाना है।

तुरंत लागू की जा सकने वाली गतिविधियों में जहां गंगा की ऊपरी सतह की स्वच्छता, इसमें बहते हुए सॉलिड वेस्ट की समस्या को हल करना, शौचालयों का निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छता, ऐसे क्षेत्रों की नालियों से बहकर लिक्विड व सॉलिड वेस्ट का प्रबंधन, शवदाह गृहों का निर्माण, आधुनिकीकरण कर अधजले शवों को गंगा में बहाये जाने से रोकना, घाटों के निर्माण, मरम्मत और आधुनिकीकरण कर मनुष्य और नदियों के बीच आत्मीय संबंधों को प्रोत्साहन देना आदि शामिल हैं।

वहीं, दूसरे प्रकार की यानि पांच सालों के भीतर लागू की जा सकने वाली गतिविधियों में, अतिरिक्त ट्रीटमेंट कैपेसिटी का निर्माण कर, नगर निकायों और औद्योगिक क्षेत्रों से गंगा में आने वाले अपशिष्ट की समस्या को हल करना जैसे लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। नमामि गंगे मिशन के तहत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान राज्यों में 48 सीवेज प्रबंधन परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं और 98 सीवेज परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। औद्योगिक प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए कार्यक्रम में गंगा के किनारे स्थित अधिक मात्रा में प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को कहा गया है कि गंदे पानी की मात्रा कम करें या इसे पूर्ण तरीके से समाप्त करें। साथ ही सभी उद्योगों को गंदे पानी के बहाव के लिए रियल टाइम ऑनलाइन निगरानी केंद्र स्थापित करने होंगे। दीर्घकालिक उपायों के अंतर्गत इस कार्यक्रम को बेहतर और टिकाऊ बनाने के लिए प्रमुख वित्तीय सुधार किये जा रहे हैं। परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विचार किया जा रहा है, ताकि प्रयोग किये गए पानी के लिए एक बाजार बनाया जा सके और परिसंपत्तियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। प्रथम दृष्टया, इस कार्यक्रम को देखने पर प्रतीत होता है कि यह सिर्फ गंगा नदी को प्रदूषण और अस्वच्छता से मुक्त कराकर उसे उसका पुराना वैभव और सौंदर्य लौटाने के उद्देश्य से तैयार किया गया कार्यक्रम है। लेकिन, अगर हम इसे गहराई से देखें, तो समझ में आएगा कि यह एक ऐसा दूरदर्शितापूर्ण और सुविचारित कार्यक्रम है, जिसके प्रभाव बहुत व्यापक होने वाले हैं। और यह सिर्फ एक नदी का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का कायाकल्प करने वाला कार्यक्रम साबित होगा। इसीलिए सरकार अब स्वच्छता संबंधी प्रयासों के साथ-साथ गंगा नदी के संरक्षण, पर्यटन संबंधी सुधारों और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने पर भी खासी तवज्जो दे रही है। 'अर्थ गंगा' और 'ग्राम गंगा' इस मिशन के ऐसे ही कुछ निहित कार्यक्रम हैं। दिसंबर, 2019 में सम्पन्न राष्ट्रीय गंगा परिषद की प्रथम बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थ गंगा का विचार प्रस्तुत किया था, जिसका उद्देश्य गंगा से संबंधित आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान देना और साथ ही साथ सतत् विकास का एक मॉडल विकसित करना है। अर्थ गंगा के अंतर्गत सरकार जिन छह कार्यक्षेत्रों पर काम कर रही है, उनमें नदी के दोनों और दस किमी तक रासायनिक मुक्त खेती और गोबर-धन योजना के माध्यम से खाद के रूप में गोबर को बढ़ावा देने वाली जीरो बजट प्राकृतिक खेती, कचरा और अपशिष्ट जल को उपचारित कर स्थानीय शहरी निकायों के लिये सिंचाई, उद्योगों तथा राजस्व सृजन हेतु जल का पुनः उपयोग करना, आजीविका के अवसरों का सृजन करना, नदी से जुड़े हितधारकों के बीच तालमेल के माध्यम से जनभागीदारी बढ़ाना, गंगा एवं उसके आसपास की पर्यटन को बढ़ावा देना व आदर्श उपयुक्त जल प्रशासन के लिये स्थानीय प्रशासन को मजबूती प्रदानकर संस्थागत विकास को बढ़ावा देना शामिल हैं। वहीं गंगा नदी के तट पर स्थित गांवों में सम्पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर आरंभ ग्राम गंगा परियोजना के अंतर्गत, वर्ष 2017 में पांच गंगा राज्यों, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व पश्चिम बंगाल, के लगभग साढ़े चार हजार गांवों को 'खुले में शौच से मुक्त गांव' घोषित किया गया और 24 ऐसे गांवों का चयन किया गया, जिन्हें एक वर्ष के भीतर गंगा ग्राम के रूप में परिवर्तित किया जाना था। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से गंगा तट पर बसे गांवों के सम्पूर्ण विकास के लिये एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए गंगा ग्राम परियोजना में सॉलिड व लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट, तालाबों व अन्य जल स्रोतों का पुनरोद्धार, जल संरक्षण परियोजनाओं, जैविक खेती, बागवानी तथा औषधीय पौधों को प्रोत्साहन आदि शामिल हैं। इसी के माध्यम से रोजगार सृजन पर भी काफी जोर दिया जा रहा है। इस क्रम में समयबद्ध तरीके से घाट में हाट, आयुर्वेद, जड़ी-बूटियां, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, गंगा प्रहरी और गंगा दूत जैसे स्वयंसेवी तैयार करने की योजनाओं पर अमल जारी है। इसके अलावा गंगा किनारे की सांस्कृतिक विरासतों का दर्शन, पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, नौका पर्यटन व योग को प्रोत्साहन देकर स्थानीय स्तर पर जीविकोपार्जन के साधन विकसित किये जाने पर भी काम चल रहा है। इन गतिविधियों के अलावा कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए भी कदम उठाए गए हैं और कछुए, गंगा डॉल्फिन, घड़ियाल, गोल्डन महासीर आदि जैसी महत्वपूर्ण जलजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। अभी तक 4.25 अरब डॉलर निवेश वाली इस पहल में 230 संगठन शामिल हैं, जिनके साथ मिलकर करीब 30,000 हेक्टेयर जमीन का वनीकरण किया जा चुका है और 2030 तक 1,34,000 हेक्टेयर भूमि का वनीकरण करने का लक्ष्य है।

इस प्रकार बीते एक दशक में यह कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ता गया है और अपने खाते में एक के बाद एक उपलब्धियां दर्ज करता गया है। इन्हीं उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ग्लोबल वाटर इंटेलिजेंस द्वारा ग्लोबल वाटर अवार्ड्स, 2019 में 'पब्लिक वाटर एजेंसी ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीत चुका है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी को विदेश में भारत की आलोचना करने की आदत है : विदेश मंत्री जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता को विदेश में भारत की आलोचना करने की आदत है लेकिन अपने आंतरिक मामलों को दुनिया के सामने उठाना देश के हित में नहीं है। अमेरिका में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी की टिप्पणी के संबंध में विदेश मंत्री ने कहा, '' दुनिया हमें देख रही है।'' एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, '' राहुल गांधी को विदेश में भारत की आलोचना करने की आदत है।'' उन्होंने कहा, '' मैं नहीं समझता कि राष्ट्रीय राजनीति को देश से बाहर ले जाना राष्ट्रीय हित में होगा।'' कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद गांधी ने हाल ही में अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की थी और विभिन्न मोर्चों पर सरकार की नीतियों को लेकर उन पर निशाना साधा था।

नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के दोषी को 10 साल की जेल

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की एक अदालत ने नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के दोषी युवक को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। थाना प्रभारी स्योहारा राजीव चौधरी ने बताया कि बागपत जिले के बलौनी थाना क्षेत्र के मुकारी गांव का रहने वाला दीपक कुमार 11 जुलाई 2017 को एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। चौधरी के मुताबिक, इस मामले में दीपक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि अर्जुन नाम के एक युवक का नाम सह-आरोपी के रूप में शामिल किया गया था। चौधरी के अनुसार, अदालत ने आरोप सिद्ध होने पर दीपक को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई और उस पर 40,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। वहीं, अर्जुन के लिए तीन साल की जेल और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा तय की।

बाइडेन-मोदी की दोस्ती के गवाह बनेंगे हजारों लोग, 23 जून को वाशिंगटन में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की विकास गाथा में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर 23 जून को वाशिंगटन में अमेरिका भर से भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में मोदी की मेजबानी करेंगे। इस यात्रा में 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता डॉ भरत बरई ने कहा कि मोदी 23 जून की शाम को देश भर के डायस्पोरा नेताओं की एक सभा को संबोधित करेंगे।

अतीत में कई हाई-प्रोफाइल बैठकों की मेजबानी करने वाले प्रतिष्ठित रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग एंड इंटरनेशनल ट्रेड सेंटरको प्रधान मंत्री के संबोधन के लिए आरक्षित किया गया है। बरई ने बताया कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के नाम पर रखे गए इस स्थल की क्षमता 900 लोगों की है। यह वाशिंगटन की पहली संघीय इमारत है जिसे सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान होने वाले एकमात्र सामुदायिक कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने कहा कि 25 प्रतिष्ठित लोगों की एक राष्ट्रीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। इस कार्यक्रम की मेजबानी यूएस इंडिया कम्युनिटी फाउंडेशन द्वारा की जाएगी। सह आयोजन समिति का भी गठन किया गया है। बरई ने कहा कि दोनों समितियों में समुदाय को व्यापक प्रतिनिधित्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले योजना शिकागो में एक विशाल स्टेडियम में 40,000 भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करने के लिए मोदी की मेजबानी करने की थी।

सूडान में अनाथालय में भूख और बीमारी से 71बच्चों की मौत

काहिरा। हिंसाग्रस्त सूडान में एक अनाथालय में अप्रैल माह से अब तक 71 बच्चों की भूख और बीमारी के कारण मौत हो गई। झकझोर देने वाली इस घटना के बाद अनाथालय से कम से कम 300 बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सूडान में सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच देश में चल रही भीषण लड़ाई के मध्य बच्चों की मौत का मामला अल-मैकुमा अनाथालय का है और पिछले माह इसका खुलासा हुआ था। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) के प्रवक्ता रिकार्डो पिरेस ने कहा, '' खार्तुम के अल मैकुमा अनाथालय से कम से कम 300 बच्चों को ''सुरक्षित स्थान'' पर पहुंचाया गया है।'' उन्होंने 'एसोसिएटेड प्रेस' को एक ईमेल के जरिए बताया कि सूडान के सामाजिक विकास मंत्रालय ने बच्चों की जिम्मेदारी संभाली है, वहीं यूनीसेफ ने चिकित्सा सहायता, भोजन, शिक्षण गतिविधि तथा खेल-कूद आदि की जिम्मेदारी ली है। बच्चों को निकालने में मदद करने वाली रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) ने कहा कि एक माह से 15 वर्ष की आयु के बच्चों को जाजिरा प्रांत की राजधानी मदनी तक के लिए सुरक्षित गलियारा हासिल करते हुए सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बच्चों के साथ देखभाल करने वाले 70 लोगों को भी भेजा गया है। सूडान में आईसीआरसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जीन क्रिस्टोफर ने कहा, '' बच्चों ने उस स्थान पर जहां पिछले छह सप्ताह से लड़ाई चल रही है, उस स्थान पर बेहद कठिन वक्त काटा है।'' मीडिया की खबर के मुताबिक अनाथालय में जिन बच्चों की भूख और बीमारी से मौत हुई है, उनमें तीन माह के बच्चे भी शामिल हैं।

दिल्ली: जब केजरीवाल के सामने लगे मोदी-मोदी के नारे भाषण रोक आप नेता बोले- अगर ऐसे नारे लगाने से...

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को संयुक्त रूप से गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के पूर्वी दिल्ली परिसर का उद्घाटन किया। इसी दौरान जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपना संबोधन दे रहे थे तभी 'मोदी, मोदी' के नारे लगने शुरू हो गए। मामले को लेकर सत्तारूढ़ आप ने भाजपा पर कार्यक्रम में हंगामा करने का आरोप लगाया है। उन्हें बाधित करने वालों पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर इस तरह के नारे लगाने से शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो सकता है तो यह पिछले 70 वर्षों में हो गया होता।

अपने संबोधन के दौरान, केजरीवाल दिल्ली सरकार के स्कूली शिक्षा मॉडल के बारे में बोल रहे थे, तभी दर्शकों के एक वर्ग ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि हाथ जोड़कर, मैं आपसे 5 मिनट के लिए मेरी बात सुनने का अनुरोध करता हूं। मैं इस पार्टी और दूसरी पार्टी के लोगों से आग्रह करता हूं कि मुझे बोलने दें। उन्होंने कहा कि ''मुझे पता है कि आपको मेरे विचार पसंद नहीं आ सकते हैं। आप टिप्पणी कर सकते हैं लेकिन यह सही नहीं है। इस लोकतंत्र में सभी को बोलने का अधिकार है।

आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान 'हंगामा' किया, लेकिन केजरीवाल ने अपने शानदार जवाब से उन्हें चुप करा दिया। जब उद्घाटन कार्यक्रम चल रहा था, तब परिसर के बाहर भी आप और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी हो रही थी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का पूर्वी दिल्ली परिसर आप के नेतृत्व वाली शहर की सरकार और लेफ्टिनेंट गवर्नर वी के सक्सेना के बीच ताजा मुद्दा बन गया है, दोनों पक्षों ने दावा किया है कि वे नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करेंगे। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे पर नए परिसर के लिए अनुचित श्रेय लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

सामाजिक कार्यकर्ता तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस में शामिल हुए

हैदराबाद। मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाले के तथाकथित 'व्हिसलब्लोअर' आनंद राय सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) में बुधवार को शामिल हुए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राय यहां बीआरएस प्रमुख और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। सूत्रों ने बताया, 'मध्य प्रदेश में सनसनीखेज व्यापम घोटाले को सामने लाने वाले राज्य के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता आनंद राय बुधवार को बीआरएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए।' राय के साथ ही मध्य प्रदेश के कई आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता भी बीआरएस में शामिल हुए।

सामने आए चीन के बेहद ही खतरनाक इरादे दुश्मन देशों के नेताओं के दिमाग पर करेगा कंट्रोल

बीजिंग। एक समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के मामले में अमेरिका की बढ़त किसी दूसरे देश की पहुंच से बाहर मानी जाती थी। लेकिन चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तेजी से काम कर रहा है। चीन अपनी सैन्य ताकत में इजाफा करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर रहा है। द जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार हाल के दिनों में चीन लगातार अमेरिका और उसके सहयोगी ताइवान के पास के समुद्री इलाकों पर सैन्य क्षमताओं को तेजी से विकसित कर रहा है। टेक्सास नेशनल सिक्योरिटी रिव्यू में पब्लिश रिपोर्ट के अनुसार चीन के जानकारों ने कहा कि ड्रैगन इंटेलिजेंस वॉर पर ध्यान दे रहा है। उनका मकसद है एआई की मदद से वो दुश्मन देशों के इच्छाशक्ति पर अफना कंट्रोल बना सके। चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सामने वाले दुश्मन देशों के सीनियर राजनेताओं पर अपना नियंत्रण कायम कर सके। न्यू सूचना टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ और वाशिंगटन स्थित

हडसन इंस्टीट्यूट थिंक टैक के साथ कोइचिरो ताकागी ने कहा कि पीपुल्लस लिबरेशन आर्मी ने ये नहीं बताया है कि वो मानव अनुभूति को कंट्रोल करने के लिए एआई का उपयोग कैसे करना चाहता है। करीब दो साल पहले एक खबर सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि चीन द्वारा फाइटर जेट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की टेस्टिंग किया गया था। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन जे-16 लड़ाकू विमान को किसी मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) की तरह इस्तेमाल करने में सक्षम है। जिसमें पायलट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे युद्ध के दौरान पायलटों की जान का खतरा कम हो जाएगा। इसके अलावा इससे हवाई क्षमता में भी भारी बढ़ोतरी होगी।

मीडिया रिपोर्टों में चीन स्थिति को बढ़ाने के लिए मशीन गन से चलने वाले रोबोटों को सीमा पर भेजने की जानकारी भी पहले सामने आ चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हथियारों और आपूर्ति दोनों को ले जाने में सक्षम दर्जनों स्वायत्त वाहनों को तिब्बत भेजे जाने की बात सामने आई थी। शार्प क्लॉ, जिसे वायरलेस तरीके से संभाला जा सकता है और जो हल्की मशीनगन से लैस है। इसके अलावा मुले-200 को तैनात किया गया है जो मानवरहित सप्?लाइ वाहन है लेकिन इसमें भी हथियार को लगाया जा सकता।

चुनाव सिर्फ वहीं से लड़ें जहां से जीत पक्की हो एनसीपी चीफ पवार ने राजनीतिक दलों को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि वर्तमान में बीजेपी विरोधी लहर है और देश के लोग कर्नाटक में हाल के विधानसभा चुनावों के परिणामों को देखते हुए बदलाव चाहते हैं। पवार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर लोगों की यह मानसिकता जारी रहती है तो देश आगामी चुनावों में बदलाव देखेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में छोटी-छोटी घटनाओं को 'धार्मिक रंग' दिया जा रहा है, जो अच्छा संकेत नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को कर्नाटक में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा, जहां कांग्रेस पांच साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापस आई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि राजनीतिक दलों को पहले आकलन करना चाहिए और उसके अनुसार उन सीटों से चुनाव लड़ना चाहिए

जहां उनकी जीतने की क्षमता है, लेकिन उनके मैदान में होने से सत्तारूढ़ दलों को मदद नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने किसी पार्टी विशेष का नाम नहीं लिया। यह पूछे जाने पर कि कोई भी राजनीतिक दल राज्य के हर हिस्से में चुनाव लड़ने की स्थिति में क्यों नहीं है और क्या यह पार्टियों के कमजोर होने का संकेत है, राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टियां किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकती हैं, लेकिन उन्हें सोचना चाहिए कि क्यों वे ऐसा कर रहे हैं। पवार ने कहा कि पार्टियों को पहले ये देखना चाहिए कि सीटों पर चुनाव लड़कर वे सत्तारूढ़ दलों की मदद तो नहीं कर रहे हैं।

शरद पवार ने सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने के लिए सत्तारूढ़ सरकार को जिम्मेदार ठहराया और सभी हिंसा और सड़कों पर उतरने की गतिविधियों को विचारधारा द्वारा समर्थित बताया। छत्रपति संभाजीनगर में संवाददाताओं से बातचीत में पवार ने अहमदनगर और कोल्हापुर जिलों में सांप्रदायिक झड़पों की घटनाओं, खासकर ताजा हिंसा भड़कने पर चिंता व्यक्त जताई।

ट्रक एक वाहन पर पलटने से सात लोगों की मौत, दो घायल

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में बृहस्पतिवार को एक ट्रक के स्पोर्ट्स यूटिलिटी वेहिकल (एसयूवी) पर पलटने से सात लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीधी के पुलिस अधीक्षक डॉ रवींद्र सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दुर्घटना डोल गांव के पास सीधी-टिकरी मार्ग पर सुबह साढ़े नौ बजे से 10 बजे के बीच हुई।

उन्होंने बताया कि ट्रक पहले एसयूवी से टकराया और फिर उसी पर पलट भी गया जिससे सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस का एक दल मौके पर पहुंचा।

जैन तीर्थंकर को समर्पित होगा बनारस का नया घाट, 17 करोड़ की लागत से बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अध्यात्म, धर्म और संस्कृति की नगरी काशी में जहां एक तरफ भगवान शिव का वास है तो वहीं तथागत गौतम बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली भी यहीं सारनाथ में है। काशी में तुलसीदास की कर्मभूमि से लेकर बाबा कीनाराम की अघोर तपोस्थली भी है। संत कबीर और संत शिरोमणि रैदास ने भी काशी की धरती से दुनिया को समरसता का संदेश दिया है। यही नहीं काशी जैन धर्म का भी प्रमुख तीर्थस्थल है। भगवान पार्श्वनाथ के साथ ही आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु की जन्मस्थली भी वाराणसी में ही है। ऐसे में योगी सरकार अब जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभुजी के चार कल्याणकों (च्यवन, जन्म, दीक्षा और केवलज्ञान) के स्थान का कायाकल्प करने में जुट गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब चंद्रप्रभु जी की जन्मस्थली चंद्रावती गांव में पक्के गंगा घाट का निर्माण कराया जा रहा है। वाराणसी में इस प्रकार एक नये घाट का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। इसकी लागत 17 करोड़ रुपए से अधिक है। वाराणसी मुख्यालय से करीब 23 किलोमीटर दूर गाज़ीपुर

रोड पर चंद्रावती गांव में जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभुजी की जन्मस्थली गंगा किनारे है। यहां भगवान चंद्रप्रभुजी का श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मंदिर है। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि जैन धर्म को मानने वाले देश-विदेश से हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। घाट के पुनरुद्धार व सुविधाओं के बढ़ जाने से आने वाले समय में ये स्थान तीर्थाटन का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। आने वाले समय में इस घाट को पानी के रास्ते भी जोड़ने की योजना है। जिससे बोट या क्रूज़ से पर्यटन यहाँ पहुंच सके। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पर्यटन के नए केंद्र के रूप में ये जगह विकसित होगी जिसका लाभ पर्यटन उद्योग को भी मिलेगा। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी ने बताया कि भगवान चंद्रप्रभुजी की जन्मस्थली के पास लगभग 200 मीटर लम्बा पक्के घाट का निर्माण हो रहा है, तीर्थयात्रियों की सुविधा और घाट देखने में सुन्दर लगे इस लिए तीन प्लेटफार्म बनाया जा रहा है। घाट से नीचे उतरने के लिए सीढ़ियां होंगी। इसके अलावा पूरे घाट का हेरिटेज लुक होगा। साथ ही गाबियन (ँड्ढ्न) और रेटेशन वाल से घाट तैयार किया जा रहा है, जिससे ये देखने में पुराने घाटों की तरह होगा और बाढ़ में घाट सुरक्षित रहेगा। ये निर्माण पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होगा। टॉयलेट ब्लॉक, पोर्टेबल चेंजिंग रूम, साइनेजेस, पार्किंग, हेरिटेज लाइट, बैठने के लिए पत्थर के बने बेंच होंगे और पत्थरों से बनी जालीनुमा खूबसूरत रेलिंग लगाई जाएगी, साथ ही बागवानी भी होगी। पूरे घाट के निर्माण की लागत 17.07 करोड़ है। घाट का निर्माण पूरे होने का वर्ष 2024 तक प्रस्तावित है।

जंगल की आग से कई देशों की सांसों पर खतरा, सभी मिलकर भी नहीं कर पा रहे काबू

न्यूयार्क। कनाडा के जंगलों की आग बुझने की बजाए हर दिन बढ़ रही है। जंगल की इस आग से कई देशों की सांसों पर खतरा तक पैदा हो गया है। कनाडा के जंगलों में लगी आग का असर उसके दस प्रांतों और उसके आसपास के सभी शहरों तक साफ-साफ देखा जा रहा है। आग की लपटें सबकुछ तबाह कर देने पर आपदा हैं। आग बहुत ही भयावह तरीके से फैल रही है। कनाडा में आई इस आपदा से इतना बड़ा खतरा पैदा हो चुका है कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका समेत कई देशों के हजार से ज्यादा दमकलकर्मी इस आग को बुझाने के लिए कनाडा पहुंचे। कनाडा में 414 जगह जंगलों में आग लगी हुई है जिसमें 249 जगहों पर स्थिति बेकाबू है। इस आग से 33 हजार स्कावयर किलोमीटर का इलाका जल चुका है।

आग भले ही कनाडा के जंगलों में लगी है, लेकिन इसका धुआं आस पास के देशों में फैल रहा है। पूरे कनाडा में फैली जंगल की आग से निकलने वाले धुएँ ने न्यूयॉर्क शहर की श्वेत तस्वीर को एक मोटी धुंध की चादर से ढक दिया है। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आईक्यूएयर के अनुसार, बुधवार की सुबह, न्यूयॉर्क शहर 100 ट्रैक किए गए देशों में सबसे खराब वायु गुणवत्ता और प्रदूषण के मामले में नई दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर था। गुरुवार को खराब हवा असर एक बार फिर से देखने को मिला। न्यूयार्क में प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा हो गया है कि स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी भी धुंए से ढक गई है। कई देशों में हाई रिस्क अलर्ट जारी किया गया है और मास्क को भी अनिवार्य कर दिया गया है।

कनाडा का बहुत बड़ा भाग जंगल है और इन जंगलों में लगती आग कनाडा के लिए मुसीबत लेकर आती है। अगर ये कहे कि जलवायु परिवर्तन का असर कनाडा पर साफ साफ दिख रहा है तो गलत नहीं होगा। कनाडा में जंगल की आग को बाढ़ के बाद दूसरी सबसे बड़ी आपदा माना जाता है। इसलिए

इसको देखते हुए एक अलग विभाग भी काम करता है जो कनाडा के जंगलों में हर वर्ष लगने वाली आग की निगरानी करता है। कनाडा सरकार हर साल 812 हजार करोड़ रुपए आग को बुझाने के लिए खर्च करती है। कनाडा में जंगल की आग को बाढ़ के बाद सबसे बड़ी आपदा माना जाता है। जंगल की आग से हर साल 4 मिलियन स्कवायर किलोमीटर का इलाका जल जाता है। आग जलने के लिए हीट, ईंधन और ऑक्सीजन जरूरी होते हैं। जंगल में ऑक्सीजन हवा में ही मौजूद होती है। पेड़ों की सूखी टहनियां और पत्ते ईंधन का काम करते हैं। वहीं एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम कर सकती है। पेड़ों की पत्तियां और सूखे टहनी ईंधन का काम करते हैं। जिनके जलने से आग तेजी से फैलती है। इसके अलावा आसमान से बिजली गिरने, ज्वालामुखी और कोयले की जलने की वजह से आग लगती है। असामान्य रूप से गर्म, शुष्क मौसम जो थमने का नाम नहीं ले रहा। जिसका असर इन जंगलों की आग के रूप में देखने को मिल रहा है। कोलोराडो विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान में अनुसंधान के लिए सहकारी संस्थान के एक मॉडलिंग विशेषज्ञ एरिक जेम्स ने कहा कि कनाडा के अधिकांश हिस्सों में रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की गई। फरवरी के मध्य से मई के मध्य में कनाडा के अधिकांश हिस्सों में 50 से 75 प्रतिशत तक कम बारिश हुई। तापमान सामान्य से 3 से 6 डिग्री अधिक रहा। जून में भी कनाडा में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। बढ़ता तापमान और घटकी बारिश की वजह से भी कनाडा में आग की घटनाएं इस वर्ष बढ़ी है।

कानून व्यवस्था अच्छी', आगामी चुनाव को लेकर अशोक गहलोत ने कही यह बड़ी बात

नई दिल्ली। राजस्थान में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अभी से ही सक्रिय हो गए हैं। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में पिछले 5 सालों में कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी रही है। तो दूसरी ओर लगातार भाजपा राजस्थान की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। इस बीच एक बार फिर से अशोक गहलोत ने अपनी सरकार में कानून व्यवस्था का दावा किया है और साथ ही साथ कहा है कि वह इस बात को भी सुनिश्चित करेंगे कि आगामी चुनाव में किसी तरह की अप्रिय घटना राजस्थान में ना हो पाए।

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि पिछले 5 साल में प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी रही है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आगामी चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। उन्होंने कहा कि हमने पिछले 5 वर्षों में जो योजनाएं शुरू की हैं, उनसे राज्य के लोगों को लाभ हुआ है। गहलोत ने दावा कि कि राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संजीवनी घोटाले के आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए एक साल से प्रवर्तन निदेशालय से गुहार लगा रही है लेकिन उस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने संजीवनी सहकारी समिति घोटाले में कथित संलिप्तता को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा।

गहलोत ने ईडी, आयकर विभाग, सीबीआई के बहाने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे (भाजपा सरकार) चुनाव से पहले ईडी को भेजते हैं लेकिन हम डरते नहीं हैं। ईडी को अपना काम करने दीजिए, हमें कोई दिक्कत नहीं है। ईडी, आयकर विभाग, सीबीआई को अपना काम करना चाहिए, लेकिन कानून का शासन कायम रहना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सीबीआई हो या आयकर या ईडी, अगर वे निष्पक्ष रूप से काम करते हैं, तो हम उनका स्वागत करेंगे लेकिन आप एकतरफा कार्रवाई कर रहे हैं, पूरा देश चिंतित है।

इलियाना डिक्रूज ने किया अपने बच्चे के पिता का खुलासा

मुम्बई। इलियाना डिक्रूज हैं प्रेग्नेंट! इस साल अप्रैल में एक्ट्रेल ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वह एक बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि पिता कौन है। हालांकि इलियाना ने अभी तक अपने रिश्ते के बारे में खुलासा नहीं करने का फैसला किया है। आज यानी 2 जून को एक्ट्रेस ने आखिरकार अपने मिस्ट्री मैन की एक झलक शेयर कर दी है। इलियाना इन दिनों बीच पर बेबीमून पर हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक शख्स का हाथ थामे तस्वीर शेयर की है।

इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपने मिस्ट्री मैन के साथ बेबीमून पर हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नई फोटो शेयर की है, जिसमें वह एक शख्स के साथ डिनर करती नजर आ रही हैं। हालांकि उनका चेहरा नहीं देखा जा सकता है। फोटो में इलियाना शख्स का हाथ थामे नजर आ रही हैं। दोनों की उंगलियों में अंगूठियां हैं। यह पता नहीं चल पाया है कि इलियाना ने उस लड़के से सगाई की है या नहीं। फोटो को शेयर करते हुए दिवा ने लिखा, 'रोमांस का मेरा विचार स्पष्ट रूप से उन्हें शांति से खाने नहीं दे सकता।'

18 अप्रैल को इलियाना ने सभी को चौंका दिया जब उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उसने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा कीं। इलियाना ने कैप्शन के साथ गर्भावस्था की घोषणा की, 'जल्द आ रहा- रही है। आपसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकती मेरी नन्ही जान।'

कई साल पहले, यह बताया गया था कि इलियाना एक ऑस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर एंड्रयू नीबोन को डेट कर रही हैं। हालांकि, 2019 में दोनों अलग हो गए। हाल ही में खबरें आई थीं कि इलियाना एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों, कैटरीना, विक्की और अन्य के साथ मालदीव की यात्रा पर गए थे। हालांकि, इलियाना ने अभी तक अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात नहीं की है।

आलिया भट्ट के नाना नरेंद्र राजदान का 93 साल की उम्र में निधन, अभिनेत्री ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुम्बई। आलिया भट्ट के नाना और सोनी राजदान के पिता नरेंद्र राजदान का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आलिया ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने दादा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके निधन की पुष्टि की। राजदान को पिछले हफ्ते मुंबई में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही थी।

अभिनेत्री ने अपने हाल के जन्मदिन से राजदान का एक वीडियो साझा किया, जहां वह रणबीर कपूर के साथ केक काट रहे थे और बाद में कैमरे के सामने बोल रहे थे। एक्ट्रेस ने अपने नानाजी की याद में उन्हें अपना 'हीरो' बताते हुए एक लंबा नोट लिखा। एक्ट्रेस ने लिखा, 'मेरे नानाजी। मेरे नायक! 93 तक गोल्फ खेला, 93 तक काम किया, सबसे अच्छा आमलेट बनाया, बेहतरीन कहानियाँ सुनाईं, वायलिन बजाया, अपनी परपोती के साथ खेला, उनके क्रिकेट से प्यार था, उनकी स्केचिंग पसंद आई, हमारे परिवार को प्यार किया और आखिरी क्षण तक.. उनकी जिंदगी को प्यार किया!

इसे भी पढ़ें: लेखन के असली 'अर्थ' को बखूब समझते हैं लेखक दीपक किंगरानी, राजनीति से परे और सकारात्मक लेखन का उदाहरण है 'फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है'

आलिया के पोस्ट को इंडस्ट्री में उनके दोस्तों के साथ-साथ प्रशंसकों से संवेदना और समर्थन के बहुत सारे संदेश मिले। फिल्म निर्माता करण जौहर ने लिखा, 'आपको एक विशाल हग भेजा जा रहा है।' पिछले हफ्ते, राजदान के अस्पताल में भर्ती होने के बाद मुंबई लौटने के लिए आलिया ने दुबई में घ्ईं अवाड्र्स में अपनी उपस्थिति रद्द कर दी थी।

अगली फिल्म में इथोपिया मुर्सी जनजाति के सरदार बनेंगे रणवीर सिंह! क्या है वायरल पोस्टर की सच्चाई?

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह अपनी एक्टिंग के कारण तो पूरे देश-विदेश में मशहूर हैं लेकिन रणवीर अपने आउटफिट को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहते हैं। बॉलीवुड में बड़े डिजाइनर अगर किसी नये ड्रेस को लॉन्च करते हैं तो वह ड्रेस डिजाइनर बेझिझक होकर रणवीर सिंह पर ट्राई कर सकते हैं। रणवीर के अतरंगी कपड़ो को लेकर तो अवॉर्ड फंक्शन में भी काफी जोक बनते हैं। आईफा अवॉर्ड के सेरेमनी में कपिल शर्मा ने रणवीर के आउटफिट पर बड़े जोक मारे थे। आउटफिट के अलावा रणवीर सिंह अपने किरदार के लुक के लिए भी काफी जाने जाते हैं। रणबीर की खासियत है कि जब भी वह पर्दे पर कोई किरदार निभाते हैं तो वह कुछ समय के लिए अपने आपको कमरे में बंद करके उस किरदार में खो जाते हैं और पूरी तरह जब वह करेक्टर को समझ लेते हैं तभी शूटिंग की शुरूआत करते हैं। रणवीर सिंह ने फिल्म पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाने से पहले ऐसा ही किया था। सोशल मीडिया

पर रणवीर सिंह के एक फैन ने उनकी एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह इथोपिया मुर्सी जनजाति के रूप में दिखाई पड़ रहे हैं। मुर्सी जनजाति का बसेरा साउथ इथोपिया और सूडान बॉर्डर स्थित ओमान वैली में है। इनकी कुल आबादी 10 हजार के करीब है। यह जनजाति अपनी परंपरा को भी लेकर चर्चा में बनी रहती है। अब तक की ये सबसे खतरनाक जनजाति हैं। इसके पास काफी हथियार भी होते हैं। इस तस्वीर के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ये खबरे तेज हो गयी हैं कि शायद ये रणवीर सिंह के अगले प्रोजेक्ट का लुक हैं। रणवीर सिंह हमेशा से ही पर्दे पर चैलेंजिंग रोक करते आए है तो अपनी फिल्म में शायद वह इथोपिया मुर्सी जनजाति के सरदार के रूप में नजर आये। इस तस्वीर को देखकर कुछ और अटकले लागई जाए उससे पहले हम आपको बता दें कि रणवीर सिंह की इथोपिया मुर्सी जनजाति के रूप की ये तस्वीर फेक हैं। इस तस्वीर को रणवीर के फैन ने एडिट करके बनाया है और वायरल किया हैं। इस तस्वीर में रणवीर सिंह का खिलजी वाला चेहरा एडिट करके लगाया है बाकि का शरीर किसी और का हैं।

ईशा गुप्ता बिकिनी में अभिनेत्री ने शेयर की तस्वीर हॉट फिगर देखकर मचलाया यूजर्स का दिल

मुम्बई। बॉलीवुड की हॉट हसीना ईशा गुप्ता सुर्खियों में रहना बखूबी जानती हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने रविवार को अपनी एक हॉट तस्वीर शेयर की, जिसने सोशल मीडिया पर भूचाल ला दिया

है। इस तस्वीर में, ईशा लिफ्ट में बिकिनी पहनकर अपना हॉट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री इस तस्वीर को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स का मन मचल गया है। लोग कमेंट सेक्शन में ईशा और उनके हॉट फिगर की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। ईशा गुप्ता की बिकिनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं और लोग जमकर इनपर कमेंट करते नजर आ रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'संडे का वर्कलोड।' एक अन्य ने कमेंट किया, 'शुगर मम्मी।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आपको देखकर सब पानी-पानी हो गए होंगे।' तारीफों के अलावा कुछ यूजर्स अभिनेत्री को जमकर ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने ईशा को ट्रोल करते हुए लिखा, 'पोस्ट डालना तो बहाना है, सबको अपना जिस्म दिखाना है।' एक अन्य ने लिखा,' होटल में उर्फी जावेद के बगल में कमरा मिल गया क्या।' जन्नत 2' से बॉलीवुड करने वाली ईशा गुप्ता ने इस साल कांस फिल्म फेस्टिवल में अपना डेब्यू किया। इस दौरान अभिनेत्री ने रेड कार्पेट पर बड़ी ही सेक्सी सफेद रंग की ड्रेस पहनी थी। इस ड्रेस में ईशा ग्लैमरस और खूबसूरत लग रही थी। कांस रेड कार्पेट से अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा वेब सीरीज 'आश्रम' में सोनिया का किरदार निभा रही है। इसके अलावा वह फिल्म 'फाइल नंबर 323' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

दिशा पाटनी ने रिवीलिंग आउटफिट में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

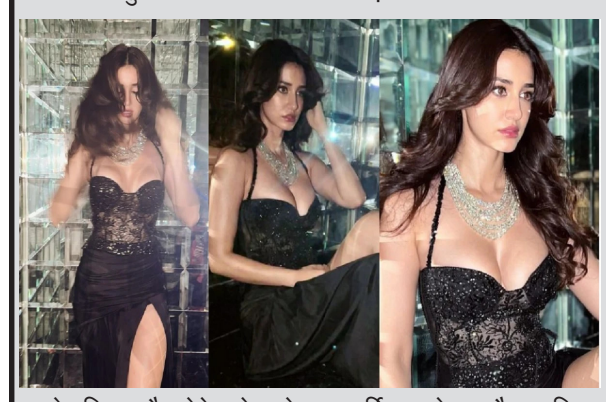

मुम्बई। टीवी शो ससुराल सिमर का में अपने काम के लिए जानी जाने वाली दीपिका कक्कड़ ने अभिनय छोड़ दिया है। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री ने शोबिज छोड़ने और अपना सारा ध्यान

अपने परिवार और होने वाले बच्चे पर समर्पित करने का फैसला किया है। इस साल की शुरुआत में दीपिका और उनके पति अभिनेता शोएब इब्राहिम ने घोषणा कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

साल-2022-23 असफल होने के बाद भी अक्षय कुमार की लिस्ट में शामिल है जबरदस्त फिल्में

मुम्बई। अक्षय कुमार बॉलीवुड के जबरदस्त सुपरस्टार है। भले ही पिछले कुछ साल उनके लिए कुछ खास नहीं रहे हैं लेकिन वह एक सबार फिर से जबरदस्त वापसी करने के लिए तायार है। अक्षय कुमार आने वाली फिल्मों की हम आपको जानकारी देने जा रहे हैं। अक्षय कुमार अपने अनुशासित जीवन, सुबह जल्दी उठने और जल्दी काम शुरू करने के लिए जाने जाते हैं, यही वजह है कि उन्होंने साल में 4-5 फिल्में देते है। अक्षय कुमार की 2024 से 1991 तक की पूरी मूवी(ओं) की सूची जिसमें सभी शामिल हैंः रिलीज़ डेट, ट्रेलर और बहुत कुछ के साथ अभिनेता। बड़े मियां छोटे मियां (2024), कैप्सूल गिल (2023), ओएमजी 2 (2023), गोरखा (2023), सोरारई पोटरू रीमेक (2023), हेरा फेरी 3 (2023) जैसी फिल्मों के साथ विशेष अनुपालन सूची। जल्द की अक्षय कुमार की फ़िल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू में नजर आएंगे। अक्षय कुमार माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के मुख्य किरदार? निभा रहे हैं। इस फिल्म का लेखन दीपक किंगरानी ने ही किया है और निर्देशन? की बागडोर टीनू सुरेश देसाई संभाल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 80 के? दशक? के उत्तरार्ध में कोयले की एक खदान में फ़ंसे 65 मज़दूरों को बचाने के मिशन? पर आधारित इस फ़िल्म का ना?म पहले 'कैप्सूल गिल' था जिसके निर्देशन? की बागडोर टीनू सुरेश देसाई संभाल रहे हैं। बता दें टीनू सुरेश देसाई इससे पहले अक्षय कुमार को लेकर फ़िल्म 'रुस्तम' बना चुके हैं, जिसके लिए अक्षय कुमार को श्रेष्ठ अभिनेता के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार से भी नवाज़ा गया था। ग़ौरतलब है कि? दीपक किंगरानी सह-लेखक विपुल रावल के साथ मिलकर? सच्ची घटना पर? आधारित इस कहानी? को लिखा है।

भारतीय अभिनेता और फ़िल्म निर्देशक भगवान दादा

मुम्बई। भगवान दादा अपनी प्रसिद्ध सामाजिक और हास्य फ़िल्म अलबेला के लिए जाने जाते हैं। हिन्दी फ़िल्मों में नृत्य की एक विशेष शैली की शुरूआत करने वाले भगवान दादा ऐसे अलबेला सितारे थे, जिनसे महानायक अमिताभ बच्चन सहित आज की पीढ़ी तक के कई कलाकार प्रभावित और प्रेरित हुए। भगवान दादा का वास्तविक नाम भगवान आभाजी पालव था। भगवान दादा का जीवन और फ़िल्मी करियर जबरदस्त उतार चढ़ाव से भरा रहा लेकिन यह कलाकार सिनेमा के इतिहास में अपनी ख़ास जगह रखता है। भगवान दादा का जन्म एक मिल के श्रमिक के घर 1 अगस्त, 1913 को हुआ। बचपन से ही उन्हें फ़िल्मों के प्रति आकर्षण था और पढ़ाई के प्रति उन्हें विशेष रुचि नहीं थी। इस कारण उन्हें पिता के कोप का शिकार भी होना पड़ा, लेकिन धुन के पक्के दादा ने तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी और हिंदी सिनेमा के रोमांटिक नायक की पारंपरिक छवि को नया आयाम मिला। शुरू में उन्होंने अपने शरीर पर काफ़ी ध्यान दिया और बदन कसरती बना लिया। इसका फायदा उन्हें आगे मिला। फ़िल्मों में प्रवेश के लिए उन्हें काफ़ी मशक्कत करना पड़ी और अंततः उन्हें 1930 में ब्रेक मिला, जब निर्माता सिराज अली हकीम ने अपनी मूक फ़िल्म बेवफा आशिक में एक कॉमेडियन की भूमिका दी। इसके बाद उन्होंने कई मूक फ़िल्मों में अभिनय किया। भगवान दादा यानी भगवान आभाजी पालव की आंखों में बचपन से फ़िल्मों के रूपहले परदे का सम्मोहन था। उन्होंने अपने जीवन की शुरूआत श्रमिक के रूप में की लेकिन फ़िल्मों के आकर्षण ने उन्हें उनके पसंदीदा स्थल तक पहुंचा दिया। भगवान मूक फ़िल्मों के दौर में ही सिनेमा की दुनिया में आ गए। उन्होंने शुरुआत में छोटी-छोटी भूमिकाएं की। बोलती फ़िल्मों का दौर शुरू होने के साथ उनके करियर में नया मोड़ आया। भगवान दादा के लिए 1940 का दशक काफ़ी अच्छा रहा। इस दशक में उन्होंने कई फ़िल्मों में यादगार भूमिकाएं की। इन फ़िल्मों में बेवफा आशिक, दोस्ती, तुम्हारी कसम, शौकीन आदि शामिल हैं। अभिनय के साथ ही उन्हें फ़िल्मों के निर्माण निर्देशन में भी दिलचस्पी थी। उन्होंने जागृति मिक्स और भगवान आटर्स प्रोडक्शन के बैनर तले कई फ़िल्में बनाई जो समाज के एक वर्ग में विशेष रूप से लोकप्रिय हुई। इन फ़िल्मों में मतलबी, लालच, मतवाले, बदला आदि प्रमुख हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी अधिकतर फ़िल्में कम बजट की तथा एक्शन फ़िल्में होती थी। इस दौरान भगवान दादा ने अपनी लगन से फ़िल्म निर्माण से जुड़ी अन्य विधाओं का भी अच्छा ज्ञान अर्जित कर लिया। 1934 में प्रदर्शित हिम्मत-ए-मर्दा उनकी पहली बोलती फ़िल्म थी। 1938 से 1949 के बीच उन्होंने कम बजट वाली कई स्टंट फ़िल्मों एवं एक्शन फ़िल्मों का निर्देशन किया। उन फ़िल्मों को समाज के कामकाजी वर्ग के बीच अच्छी लोकप्रियता मिली। उन फ़िल्मों में दोस्ती, जालान, क्रिमिनल, भेदी बंगला आदि प्रमुख हैं। भगवान दादा की फ़िल्मों में गहरी समझ तथा प्रतिभा को देखते हुए राजकपूर ने उन्हें सामाजिक फ़िल्में बनाने की राय दी। भगवान ने उनकी सलाह को ध्यान में रखते हुए अलबेला फ़िल्म बनाई। इसमें भगवान के अलावा गीता बाली की प्रमुख भूमिका थी। इस फ़िल्म के संगीतकार सी। रामचंद्र थे और उन्होंने ही इसमें चितलकर के नाम से पा?र्श्व गायन भी किया। अलबेला फ़िल्म अपने दौर में सुपर हिट रही और कई स्थानों पर इसने जुबली मनाई। इस फ़िल्म के गीत-संगीत का जादू सिने प्रेमियों के सर चढ़ कर बोला। इसका एक गीत शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के।। आज भी खूब पसंद किया जाता है। अलबेला के बाद भगवान दादा ने झमेला और लाबेला बनाई लेकिन दोनों ही फ़िल्में नाकाम रहीं और उनके बुरे दिन शुरू हो गए। कभी सितारों से अपने इशारों पर काम कराने वाले भगवान दादा का करियर एक बार जो फिसला तो फिर फिसलता ही गया। आर्थिक तंगी का यह हाल था कि उन्हें आजीविका के लिए चरित्र भूमिकाएं और बाद में छोटी-मोटी भूमिकाएं करनी पड़ी। बदलते समय के साथ उनके मायानगरी के अधिकतर सहयोगी उनसे दूर होने लगे। सी। रामचंद्र, ओम प्रकाश, राजिन्दर किशन जैसे कुछ ही मित्र थे जो उनके बुरे वक्त में उनसे मिलने जाया करते थे। शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के गीत में अपने अदभुत, अनोखी व अद्वितीय डांसिंग स्टेप देने वाले भगवान दादा को आज भी उनकी गलियों में लोग अमिताभ बच्चन

ही मानते हैं। भगवान दादा हिंदी सिनेमा जगत के पहले डांसिंग मास्टर थे। अलबेले भगवान दादा शुरू से ही फ़िल्म बनाने का सपना देखते थे। वे मिल में एक लेबर के रूप में काम करते, लेकिन ख्वाब फ़िल्म बनाने के देखते। वे चॉल में भी कुछ न कुछ इंतजाम करके फ़िल्में देख ही लेते थे। थियेटर में स्टॉल में भी फ़िल्म देखने के लिए पैसों की जुगाड़ कर ही लिया करते थे। शुरुआती दौर में मूक फ़िल्मों से मौका मिला। अभिनय के बाद वे ज्यादा से ज्यादा समय सेट पर देते, ताकि बारीकियां समझ पायें। उन्होंने सीखी भी। उन्होंने तय किया कि वह कम बजट की फ़िल्म बनायेंगे। किसी तरह उन्होंने उस वक्त 65 हजार रुपये इकट्ठे किये। उनके डांसिंग स्टेप्स में प्रॉप्स का भी ख़ास ध्यान रखा जाता था। उन्होंने ही पहली बार सिर पर बड़े आकार की टोपी रख कर डांस करने की संस्कृति शुरू की। गीता बाली के साथ उन्होंने कई फ़िल्मों में अभिनय किया। अपने निर्देशन के दौर में उन्होंने 1938 से 1949 तक लगातार लो बजट की फ़िल्मों का निर्माण किया। उनमें स्टंट व एक्शन फ़िल्में भी थीं। वे अपनी फ़िल्मों को अपनी गलियों में भी सभी लोगों को एकत्रित करके दिखाया करते थे। धीरे धीरे उन्होंने चैंबूर में जागृति पिक्स व भगवान आटर्स प्रोडक्शन के रूप में हाउस शुरू किया। राज कपूर ने उनकी काबिलियत को देखते हुए कहा कि भगवान तुम अच्छी और बड़ी फ़िल्म बनाओ। राज कपूर की राय पर भगवान दादा ने गीता बाली अभिनीत फ़िल्म अलबेला का निर्देशन किया। फ़िल्म का गीत शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के बेहद लोकप्रिय हुआ। आज भी डांसिंग पार्टी में इस गीत पर युवा थिरकना जरूर पसंद करते हैं। चूंकि भगवान दादा खुद विपरीत परिस्थितियों को झेल चुके थे। उन्होंने कई चुनौतियां व ज़िंदगी की कठिन परिस्थितियों में पहचान पाई थी, लेकिन जाहिर है वह अपनी जमीन या जड़ को नहीं भूल सकते थे। ऐसे में उन्होंने ऐसी कई फ़िल्मों का निर्माण किया, जिसमें कामकाजी वर्ग व मील मजदूरों को फोकस किया गया। 1934 में प्रदर्शित हिम्मत ए मर्दा ऐसी ही फ़िल्मों में से एक थी। यह उनकी पहली बोलती फ़िल्म थी। भगवान दादा से कभी मीलों के मजदूरों के साथ अपने सरोकार नहीं बदले। उन्होंने मीलों के कई होनहार व प्रतिभावान लोगों को यथासंभव अपने फ़िल्म निर्माण में अवसर दिलाये। सुपरस्टार बनने के बाद भी जब भी वे चॉल आते। यहां के लोगों के साथ मजलिस जमाते व जम कर मस्ती किया करते थे। गौरतलब है कि उनकी फ़िल्मों के गीत शाम ढले खिड़की तले तुम सिटी बजाना, शोला जो भड़के आज की पीढ़ी भी गुनगुना पसंद करती हैं। भगवान दादा को ला शब्द से बेहद लगाव रहा। इसलिए उन्होंने अपनी हर फ़िल्म में ला शब्द का इस्तेमाल जरूर किया। यहां तक कि फ़िल्म के गीत लिखते समय भी उन्होंने गीतकार से आग्रह किया कि वह इन बातों को ध्यान में रखें। शोला जो भड़के उसी आधार पर लिखी गयी। अलबेला के बाद झमेला व लाबेला जैसी फ़िल्मों का निर्माण किया। अलबेला उस दौर की सुपरहिट फ़िल्म रही थी। इस फ़िल्म ने जुबली मनाई थी। हिंदी सिनेमा के पहले डांसिंग स्टार भगवान दादा ने अभिनय एवं नृत्य की अनोखी शैली से कॉमेडी को नई परिभाषा दी और उनकी अदाओं को बाद की कई पीढ़ियों के अभिनेताओं ने अपनाया। भगवान दादा ने मूक फ़िल्मों के दौर से अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की थी, लेकिन उनके हास्य अभिनय और नृत्य शैली ने अपने दौर में जबरदस्त धूम मचाई। आज के दौर के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी उनकी नृत्य शैली का अनुसरण किया। फ़िल्मों में प्रवेश के लिए उन्हें काफ़ी मशक्कत करना पड़ी और अंततः उन्हें 1930 में ब्रेक मिला, जब निर्माता सिराज अली हकीम ने अपनी मूक फ़िल्म बेवफा आशिक में एक कॉमेडियन की भूमिका दी। करीब छह दशक लंबे अपने फ़िल्मी जीवन में भगवान दादा ने क़रीब 48 फ़िल्मों का निर्माण या निर्देशन किया, लेकिन बॉम्बेल लैबोरेट्रीज में लगी आग के कारण अलबेला और भागमभाग छोड़कर सभी फ़िल्मों का निगेटिव जल गया और नई पीढ़ी बेहतरीन कृतियों से वंचित रह गई। एक समय बंगला और कई कारों के मालिक भगवान अपनी मित्रमंडली से घिरे रहते थे, पर नाकामी के साथ ही धीरे-धीरे सब छूटने लगा। जीवन के अंतिम दिनों में उन्हें चॉल में रहना पड़ा। अभिनय और नृत्य की नई इबारत लिखने वाला यह कलाकार 4 फ़रवरी 2002 को 89 साल की उम्र में अपना दर्द समेटे हुए बेहद खामोशी से इस दुनिया को विदा कह गया।

सालभर में दूसरी बार मौत की अफवाह पर भड़की मुमताज

नई दिल्ली। हिन्दी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मुमताज की मौत की अफवाह पिछले कुछ दिनों से काफी उड़ रही हैं। मुमताज की मौत की अफवाह जैसे ही उड़ी सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि देना शुरूकर दिया। श्रद्धांजलि देने वालों में पंजाब के एक मंत्री भी शामिल थे। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि सोशल मीडिया पर मुमताज के मरने की अफवाह उड़ाई गयी हो। पिछले साल भी ऐसी ही गलत खबर सामने आयी थी। अब अपनी मौत की अफवाह पर 72 साल की एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है। दिग्गज एक्ट्रेस मुमताज ने अपनी मौत की खबरों को गलत बताया है। मुमताज इस समय अपने परिवार के साथ लंदन में हैं। लंदन से बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि मैंने सोशल मीडिया पर देखा कि लोगों ने पिछले हफ्ते मेरी मौत की खबर को सोशल मीडिया पर साझा करना शुरू कर दिया।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।